लखनऊ
वर्ष: 22
अंक : 225
RNI.NO.
UPHIN/2004/13730

Email:
prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

प्रातः कालीन संस्करण | गुरुवार, 02 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2 रुपया

युद्ध की विभीषिका झेलता आम आदमी 04
'क्वीन-2' के साथ वापसी को तैयार कंगना रनौत, 08

संक्षिप्त खबरें

रद ट्रेनों का विकल्प बनेंगी रोडवेज बसें

लखनऊ। रेलवे की ओर से दो अप्रैल से रद्द ट्रेनों का विकल्प रोडवेज बसें बनेंगी। रोडवेज प्रशासन ने ट्रेनों के उन रूटों पर बसों के फ़ेरे बढ़ा दिए हैं जहां-जहां बसों का संचालन पूर्व से चल रहा है। इसके अलावा लखनऊ से तीन अन्य रूटों पर रोडवेज की साधारण बसें दो अप्रैल से चलेंगी। एआरएम बनारसी राम ने बताया कि यात्रियों की मांग पर साधारण बसों की सेवा शुरू की जा रही हैं।

सीबीआई ने ठगी के फरार आरोपी समीर जोशी को दबोचा

लखनऊ। सीबीआई ने एलआईसी के फंड में घपला कर 62 लाख रुपये हड़पने के मामले में फरार चल रहे आरोपी समीर जोशी को गिरफ्तार किया है। आरोपी जमानत पर छूटने के बाद फरार हो गया था। सीबीआई ने अगस्त 2012 में एलआईसी, लखनऊ की शिकायत के आधार पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। सीबीआई के अनुसार मामले में एलआईसी के फंड के दुरुपयोग का आरोप था। आरोपितों ने फर्जी नामों से एलआईसी पालिसी धारकों के नाम पर चेक बनाकर पालिसी क्लेम हासिल किए थे। ठगी की रकम को संपत्तियों में व दूसरी जगह निवेश किया गया। सीबीआई के अनुसार फरवरी, 2006 से अगस्त, 2010 के बीच एलआईसी, जानकीपुरम (लखनऊ) में 6,37,66,660 रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी की गई थी, जिसे छिपाने के लिए खातों की किताबों में हेराफ़ेरी की गई।

लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने सेना उप प्रमुख का पदभार ग्रहण किया

नयी दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को सेना उप प्रमुख का पदभार ग्रहण किया। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व-छात्र धीरज सेठ को दिसंबर 1986 में बख्तरबंद कोर में कमीशन मिला था। लगभग चार दशकों के कार्यकाल में उन्हें विभिन्न भू-भागों और संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में असाधारण संचालन अनुभव हासिल है जिसमें आतंकवाद विरोधी अभियान भी शामिल हैं। उन्होंने रेगिस्तानी क्षेत्र में एक बख्तरबंद रेजिमेंट, विकसित क्षेत्र में एक बख्तरबंद ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी बल की कमान संभाली है। लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नति के बाद उन्होंने सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली और बाद में दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया जहां उन्होंने प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अभियानों का नेतृत्व किया। सेना कमांडर के पद पर पदोन्नत होने के बाद, उन्होंने दक्षिण पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया।

ईरान ने की संघर्ष विराम की मांग : ट्रंप

ट्रंप ने सामने रखी शर्त, कहा- होर्मुज खोलने पर ही करेंगे सीजफायर पर विचार

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरानी शासन के नए राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कहीं कम कट्टरपंथी और कहीं अधिक बुद्धिमान हैं। उन्होंने अभी-अभी अमेरिका से युद्धविराम का अनुरोध किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह से खुला, मुक्त और सुरक्षित होने पर ही हम इस पर विचार करेंगे। तब तक हम ईरान को पूरी तरह तबाह कर देंगे या यूं कहें कि उसे पाषाण युग में वापस भेज देंगे।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध जल्द समाप्ति की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष को खत्म करने के लिए ईरान को अमेरिका के साथ किसी समझौते की आवश्यकता नहीं है। श्री ट्रंप के इस बयान से अमेरिका के रुख में बदलाव का संकेत मिलता है। 28 फरवरी से शुरू हुए इस युद्ध के पांचवें सप्ताह में पहुंचने के बाद अब प्रशासन पहले की तुलना में अलग रणनीति अपनाता नजर आ रहा है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान श्री ट्रंप ने मंगलवार को कहा, ''हम बहुत जल्द निकल जाएंगे३ दो हफ्तों में, शायद तीन हफ्तों में।'' जब उनसे पूछा गया कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' को समाप्त करने के लिए क्या कोई कूटनीतिक समझौता जरूरी है, तो उन्होंने साफ कहा, ''नहीं, ईरान को मेरे साथ कोई समझौता करने की जरूरत नहीं है। ओवल ऑफिस से बोलते हुए श्री ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य अभियान के प्रमुख लक्ष्य काफी हद तक हासिल कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा है और उसे दोबारा खड़ा होने में 15 से 20 साल लग सकते हैं। उनके अनुसार, ईरान की नौसैनिक, वायु और वायु-रोधी क्षमताओं के साथ-साथ दूरसंचार ढांचे को भी भारी क्षति पहुंची है। उन्होंने कहा, ''अगर वे बातचीत की मेज पर आते हैं तो अच्छा होगा, लेकिन इससे फर्क नहीं पड़ता कि वे आते हैं या नहीं।'' श्री ट्रंप ने यह भी दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने का लक्ष्य पूरा हो चुका है। व्हाइट हाउस ने घोषणा की कि श्री ट्रंप बुधवार रात 9 बजे (ईडीटी) राष्ट्र को संबोधित करेंगे, जिसमें वह ईरान की स्थिति पर विस्तृत जानकारी देंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान वह अमेरिकी विदेश नीति, जारी सैन्य अभियानों और वैश्विक सुरक्षा खतरों पर भी प्रकाश डालेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी युद्ध को समाप्त करने के ट्रंप के रुख का समर्थन किया। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका ईरान के साथ सीधे वार्ता और चरणबद्ध तरीके से सैन्य अभियान समाप्त करने के विकल्प तलाश रहा है, भले ही कोई औपचारिक समझौता न हो। फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में श्री रुबियो ने कहा कि ईरान पिछले 47 वर्षों से परमाणु हथियारों के कारण खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि ईरान ने यूरेनियम को 60 प्रतिशत तक समृद्ध किया है और 60 से 90 प्रतिशत तक पहुंचने में 12 से 14 दिन लग सकते हैं, जो परमाणु बम बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। यह बयान पहले दी गई अमेरिकी चेतावनियों से अलग है, जिसमें कहा गया था कि यदि ईरान 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव को नहीं मानता है, तो सैन्य कार्रवाई और तेज की जाएगी। इस प्रस्ताव में यूरेनियम संवर्धन रोकने, परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता और होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने जैसी शर्तें शामिल थीं। श्री रुबियो ने यह भी कहा कि अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच ''किसी समय'' बैठक हो सकती है और अमेरिका को ''अंत नजर आ रहा है, लेकिन तुरंत नहीं। इसी बीच, श्री ट्रंप के युद्ध समाप्त करने के संकेतों के बावजूद बुधवार सुबह दोनों पक्षों के बीच हमलों की खबरें सामने आईं। कुवैत के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ड्रोन हमले में ईंधन टैंकों में आग लग गई, जबकि बहरीन में एक अज्ञात कंपनी परिसर में आग लगने की सूचना मिली, जिसे ईरानी हमले से जोड़कर देखा जा रहा है। इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने आईआरजीसी कुद्स फोर्स के लेबनान कोर के इंजीनियरिंग प्रमुख महदी वफाई को निशाना बनाकर मार गिराया है। बताया गया कि महदी वफाई को मध्य शहर महल्लात में मारा गया। इजरायल के अनुसार, वह दो दशकों से लेबनान और सीरिया में भूमिगत परियोजनाओं, हिज़्बुल्ला के लिए ढांचे के निर्माण और हथियार भंडारण के प्रबंधन में शामिल था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो से बाहर निकलने की संभावना जताते हुए कहा है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में सहयोगियों की अनिच्छा के कारण अमेरिका इस सैन्य गठबंधन से हटने पर विचार कर रहा है।

श्री ट्रंप ने ब्रिटिश दैनिक टेलीग्राफ को दिए साक्षात्कार में कहा कि वह उस नाटो सदस्यता को समाप्त करने पर विचार कर रहे हैं, जिसे अमेरिका ने सात दशक से अधिक पहले पश्चिमी यूरोपीय देशों के साथ मिलकर सोवियत संघ (वर्तमान रूस) का मुकाबला करने के लिए स्थापित किया था। श्री ट्रंप ने ईरान के खिलाफ 28 फरवरी से जारी अमेरिका-इज़रायल अभियान के दौरान नाटो सहयोगियों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने न तो युद्ध में योगदान दिया और न ही होर्मुज़ जलडमरूमध्य में ईरानी अवरोध को तोड़ने में मदद की। श्री ट्रंप ने नाटो से संभावित अलगाव पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, ''हां, यह अब पुनर्विचार से आगे की बात है। मैं कभी भी नाटो से प्रभावित नहीं रहा। मुझे हमेशा पता था कि यह एक 'पेपर टाइगर' है, और (रूस के राष्ट्रपति) व्लादिमीर पुतिन भी यह जानते हैं। श्री ट्रंप लंबे समय से नाटो की आलोचना करते रहे हैं और इसे अमेरिका पर अत्यधिक निर्भर बताते हुए कई बार इससे बाहर निकलने की चेतावनी दे चुके हैं। अमेरिकी कानून के तहत नाटो से बाहर निकलने या सदस्यता निलंबित करने के लिए व्हाइट हाउस को सीनेट की ''सलाह और सहमति'' प्राप्त करनी होती है, जिसके लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। विश्लेषकों के अनुसार, यूक्रेन में रूस के साथ जारी युद्ध के बीच नाटो सहयोगियों के लिए यह बयान चिंता का विषय है, क्योंकि इससे उन्हें रूसी सैन्य दबाव का सामना स्वयं करना पड़ सकता है। इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने श्री ट्रंप की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ब्रिटेन नाटो के प्रति ''पूर्णतः प्रतिबद्ध'' है और इसे दुनिया का ''सबसे प्रभावी सैन्य गठबंधन'' बताया।

युद्ध में साथ नहीं मिलने के बाद ट्रंप ने दी नाटो से हटने की धमकी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो से बाहर निकलने की संभावना जताते हुए कहा है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में सहयोगियों की अनिच्छा के कारण अमेरिका इस सैन्य गठबंधन से हटने पर विचार कर रहा है। श्री ट्रंप ने ब्रिटिश दैनिक टेलीग्राफ को दिए साक्षात्कार में कहा कि वह उस नाटो सदस्यता को समाप्त करने पर विचार कर रहे हैं, जिसे अमेरिका ने सात दशक से अधिक पहले पश्चिमी यूरोपीय देशों के साथ मिलकर सोवियत संघ (वर्तमान रूस) का मुकाबला करने के लिए स्थापित किया था। श्री ट्रंप ने ईरान के खिलाफ 28 फरवरी से जारी अमेरिका-इज़रायल अभियान के दौरान नाटो सहयोगियों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने न तो युद्ध में योगदान दिया और न ही होर्मुज़ जलडमरूमध्य में ईरानी अवरोध को तोड़ने में मदद की। श्री ट्रंप ने नाटो से संभावित अलगाव पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, हां, यह अब पुनर्विचार से आगे की बात है। मैं कभी भी नाटो से प्रभावित नहीं रहा। मुझे हमेशा पता था कि यह एक 'पेपर टाइगर' है, और (रूस के राष्ट्रपति) व्लादिमीर पुतिन भी यह जानते हैं। श्री ट्रंप लंबे समय से नाटो की आलोचना करते रहे हैं और इसे अमेरिका पर अत्यधिक निर्भर बताते हुए कई बार इससे बाहर निकलने की चेतावनी दे चुके हैं।

यह हमारा युद्ध नहीं है, हम इसमें नहीं उतरेंगे : स्टार्मर

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बुधवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि यह ब्रिटेन का युद्ध नहीं है और देश को इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पुनः खोलने पर भी जोर दिया। श्री स्टार्मर ने कहा, ''यह हमारा युद्ध नहीं है। हम इस संघर्ष में नहीं पड़ेंगे। यह हमारे राष्ट्रीय हित में नहीं है।'' उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब दूसरे महीने में प्रवेश कर चुका है, जिसके मद्देनज़र सरकार त्वरित कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन की प्राथमिकता तनाव कम करना और क्षेत्र के महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग होरमुज़ जलडमरूमध्य को फिर से चालू कराना है। उन्होंने कहा, ''ब्रिटेन में जीवनयापन की लागत को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका शांति और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री ने बताया कि ब्रिटेन इस सप्ताह होरमुज़ जलडमरूमध्य पर चर्चा के लिए कई देशों की बैठक आयोजित करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि विदेश सचिव और वित्त मंत्री जी-7 देशों के समकक्षों से बातचीत कर चुके हैं, जबकि रक्षा मंत्री ने पश्चिम एशिया में सहयोगी देशों के साथ परामर्श किया है। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन ने 35 देशों के साथ मिलकर समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक संयुक्त बयान जारी किया है। इस सप्ताह के अंत में आयोजित होने वाली बैठक में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल शेष पेज 02 पर

भोजशाला विवाद पर हाईकोर्ट ही करेगा विचार : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश के धार के ऐतिहासिक भोजशाला-कमल मौला मस्जिद परिसर मामले में बुधवार को स्पष्ट किया कि वह मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की कार्यवाही में इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं करेगा और उसे भरोसा है कि वह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे के दौरान दर्ज की गई मुस्लिम पक्ष की उन आपत्तियों पर पूरी गंभीरता और 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांतों के तहत विचार करेगा, जो सर्वे की वीडियोग्राफी में दर्ज हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पांचोली की खंडपीठ ने 'मौलाना कमालुद्दीन वेलफ़ेयर सोसाइटी' द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई की। पीठ ने अपने आदेश में कहा, ''हमें इस बात पर संदेह करने का कोई कारण नहीं दिखता कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय मस्जिद प्रबंधन की उन आपत्तियों पर विचार नहीं करेगा, जो एएसआई सर्वे की वीडियोग्राफी में दर्ज हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने न्यायालय से कहा कि अप्रैल 2024 में उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, विवादित स्थल पर खुदाई की गई है। श्री खुर्शीद ने तर्क दिया कि मस्जिद प्रबंधन ने सर्वे के दौरान ही इन अनियमितताओं पर कड़ी आपत्ति जताई थी, जिसे बाकायदा वीडियो रिकॉर्डिंग में दर्ज किया गया है। उन्होंने मांग की कि इस वीडियो और संबंधित रंगीन तस्वीरों को साक्ष्य के तौर पर शेष पेज 02 पर

स्मार्ट मीटर के एमडीएम और एचईएस हार्डवेयर की जांच का मामला पहुंचा आयोग

लखनऊ। स्मार्ट मीटर व्यवस्था में तमाम तकनीकी खामी के आरोप हैं। दावा है कि इन्हीं तकनीकी कमियों की वजह से ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर के उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मीटरों के हेड एंड सिस्टम (एचईएस) और मीटर डेटा प्रबंधन (एमडीएम) व्यवस्था के हार्डवेयर में चीनी उपकरण इस्तेमाल किए जाने की आशंका है। हार्डवेयर में इस्तेमाल उपकरणों की जांच करवाने के लिए राज्य विद्युत नियामक आयोग में बुधवार को याचिका दाखिल की गई। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार के नियमों के मुताबिक एमडीएम और एचईएस के हार्डवेयर में इस्तेमाल सभी उपकरण स्थानीय होने चाहिए। हालांकि, ऐसा नहीं है। जानकारी के मुताबिक, इस्तेमाल किए जा रहे हार्डवेयर में बड़े पैमाने पर चीनी उपकरणों का इस्तेमाल हुआ है। इससे इनकी गुणवत्ता पर सवालिया निशान है। इसी वजह से स्मार्ट मीटर की व्यवस्था में उपभोक्ताओं को तमाम समस्याएं शेष पेज 02 पर

सकल जीएसटी संग्रह मार्च में 8.8% बढ़कर दो लाख करोड़ के पार

एजेंसी

नयी दिल्ली। सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मार्च 2026 में सालाना 8.8 प्रतिशत बढ़कर 2,00,064 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह में एक साल पहले के मुकाबले 8.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी और यह 22,27,096 करोड़ रुपये हो गया। मार्च के जीएसटी संग्रह में घरेलू राजस्व का योगदान 1,46,202 करोड़ रुपये रहा। इसमें 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आयात पर जीएसटी से प्राप्त राजस्व 17.8 फीसदी बढ़कर 53,861 करोड़ रुपये पर रहा। जीएसटी के तहत मार्च में 22,074 करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया गया जिससे शुद्ध राजस्व संग्रह 1,77,990 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिफंड में 13.8 प्रतिशत और शुद्ध जीएसटी संग्रह में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। इसके अलावा मार्च में उपकर संग्रह 177 करोड़ रुपये ऋणात्मक रहा। ऐसा उपकर संग्रह की तुलना में इस मद में जारी रिफंड के अधिक रहने के कारण हुआ है। पूरे वित्त वर्ष के दौरान संकलित 22,27,096 करोड़ रुपये के जीएसटी में घरेलू संग्रह का योगदान 6.4 प्रतिशत बढ़कर 16,31,769 करोड़ रुपये पर और आयात पर जीएसटी संग्रह का योगदान 14.1 प्रतिशत बढ़कर 5,95,327 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष के दौरान 2,92,330 करोड़ रुपये का राजस्व जारी किया गया जो सालाना आधार पर 17.8 प्रतिशत ज्यादा है। इस प्रकार शुद्ध जीएसटी संग्रह में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि रही और यह 19,34,766 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पूरे वित्त वर्ष को समाप्त सप्ताह में जीएसटी के साथ 99,039 करोड़ रुपये का उपकर भी एकत्र किया गया।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर दिल्ली में 195 रुपये महंगा

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति संबंधी बाधाओं के बीच तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार से 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी-भरकम बढ़ोतरी की घोषणा की है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पहली अप्रैल से 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 2,078.50 रुपये का मिलेगा। इसकी कीमत गत 07 मार्च को बढ़ाकर 1,883 रुपये की गयी थी। इस प्रकार अब यह 195 रुपये यानी 10.38 प्रतिशत महंगा हो गया है। इस साल एक जनवरी से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में यह पांचवीं बढ़ोतरी है। इस दौरान दिल्ली में यह 498 रुपये महंगा हो चुका है। घरेलू इस्तेमाल वाले 14 किलोग्राम के शेष पेज 02 पर

पीएम केयर फंड और इलेक्टोरल बॉण्ड पर जवाब दे केंद्र : अखिलेश

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन (एफसीआरए) अमेंडमेंट बिल 2026 को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। हालांकि इस बिल को अभी केंद्र ने लोकसभा में पेश नही किया है। इस बीच बिल को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव केंद्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार पहले यह स्पष्ट करे कि पीएम केयर फंड में विदेशों से आया पैसा लौटाया जाएगा या उसे विशेष छूट देकर 'गटक' लिया जाएगा।

अखिलेश यादव ने इलेक्टोरल बॉण्ड के मुद्दे को भी उठाते हुए कहा कि जब यह योजना अवैध घोषित हो चुकी है, तो उसके माध्यम से प्राप्त धन को भाजपा कब लौटाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ तथाकथित एनजीओ और संगठनों के खातों में आने वाले धन की भी जांच होनी चाहिए और उनसे जुड़े लोगों की संपत्तियों की वसूली की जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह पहल अलोकतांत्रिक और अत्यधिक नियंत्रणवादी सोच को दर्शाती है। उनके अनुसार, सरकार एनजीओ पर अनावश्यक नियंत्रण स्थापित कर उन्हें अपने प्रभाव में लाना चाहती है और धीरे-धीरे उनकी संपत्तियों पर कब्जा करना चाहती है। सपा अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार स्वयं विकास कार्यों में विफल रही है और जो स्वतंत्र एनजीओ अच्छा काम कर रहे हैं, उन्हें भी बाधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार जनता गैर-सरकारी संस्थाओं के कार्यों को सरकार से बेहतर मानती है, जिससे सरकार की छवि प्रभावित होती है। विदेशों में अवैध रूप से भेजे जा रहे धन का मुद्दा उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार शेष पेज 02 पर

मुख्यमंत्री ने लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को किया फ्लैग ऑफ

जनता ने राजनीतिक कचरा हटाया तो स्वच्छ हुआ उत्तर प्रदेश : योगी

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित ऊर्जा से संचालित 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने जब राजनीतिक कचरे को हटाकर बदलाव की नींव रखी, उसी का परिणाम है कि स्वच्छता के क्षेत्र में डबल इंजन सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रयास सफल रहे और रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि प्रदेश में 2017 के पहले सत्ताधारी दलों को अंधेरा पसंद था, लेकिन हम सूर्य के उपासक हैं और सूर्यवंशी श्रीराम के अनुज लक्ष्मणजी के नाम पर लक्ष्मणपुरी (लखनऊ) में विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री आवास पांच कालिदास मार्ग पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नव निर्माण के नौ वर्षों में आज हमारा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में देश के टॉप-3 शहरों में शामिल हुआ है। अब इस उपलब्धि को नई ऊंचाई देने के लिए हम 'नेट जीरो' लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम हो और प्रदूषण रहित व्यवस्था विकसित हो। इसी दिशा में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है, जो स्वच्छ और हरित भविष्य की नींव रखेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2017 में हमने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया। पहले हैलोजन की पीली लाइटें होती थीं। वह अधिक ऊर्जा खपत करती थीं। पिछली सरकारों के लिए यह व्यवस्था इसलिए सुविधाजनक थी, क्योंकि उन्हें बिजली देनी ही नहीं थी। जिनकी आदत डकैती डालना था, उनके लिए अंधेरा ठीक था। हमारी सरकार ने तय किया कि बिना भेदभाव के 24 घंटे बिजली मिले और शहर की लाइटिंग भी एक समान, बेहतर और आधुनिक हो। इसी सोच के तहत पूरे शहर को एलईडी लाइटों से ह्लदूधिया रोशनीह्न में बदलने का कार्य किया गया।

पिछले नौ वर्षों में लखनऊ ने स्वच्छता रैंकिंग के साथ-साथ हर क्षेत्र में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। शहर का दायरा बढ़ा है। लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मेट्रो संचालन शुरू हुआ है। सड़कों के चौड़ीकरण, जल निकासी तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। आज लखनऊ डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के एक उभरते हब के रूप में भी स्थापित हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से 17 नगर निगमों तथा नोएडा-ग्रेटर नोएडा को मिलाकर 18 नगर निकायों को 'सेफ सिटी' के रूप में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ते हुए सीसीटीवी कवरेज दिया गया है। अब इन्हें 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित किया जा रहा है। सूर्यवंशी श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या सोलर सिटी के रूप में विकसित हो गई है। लखनऊ में भी इसी प्रकार सोलर पैनल लगाकर कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 4.25 लाख से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे करीब 1500 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है। अयोध्या में 40 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाकर पूरी प्रकाश व्यवस्था सोलर ऊर्जा से संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट, विशेषकर मेट्रो संचालन में अग्रणी बनकर उभरा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, शेष पेज 02 पर

नवीन सत्र के प्रथम दिन पुष्प वर्षा कर बच्चों का किया गया स्वागत

कैसरगंज (बहराइच)। स्थानीय कंचन कान्वेंट स्कूल में बुधवार को नवीन सत्र के प्रथम दिन आए हुए सभी बच्चों का माला पहनकर व वर्षा कर उनका स्वागत अभिनंदन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक मनीष श्रीवास्तव व डिप्टी डायरेक्टर इंजीनियर अगम स्वरूप श्रीवास्तव ने बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपना आशीर्वाद प्रदान किया।विद्यालय की शिक्षिकाओं ने स्कूल के गेट पर खड़े होकर कतारबद्ध निकल रहे बच्चों पर गुलाब की पंखुड़िया की पुष्प वर्षा कर बच्चों का स्वागत अभिनंदन किया तथा माला पहनकर उनकी अगवानी की। बच्चे अपने स्वागत से अभिभूत दिखे उन्होंने मन लगाकर पढ़ाई करने का संकल्प लिया। इस मौके पर एस0के0सिंह,मोहम्मद माजिद, ज्योति सिंह, प्रज्ञा पाण्डेय,क्षमा सिंह,मालती सिंह,दिव्यांशी सिंह,अबरार अहमद,सिद्धार्थ चौधरी,मोहम्मद नसीब, विजय मिश्रा, प्रदीप श्रीवास्तव, रंजीत सिंह, कंचन गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, सहित समस्त मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव एवं परिक्षा फल वितरण समारोह मेधावी छात्रों को सम्मान के साथ नये सत्र की शुरुआत

नवाबगंज, बहराइच। बुधवार को विकास खण्ड नवाबगंज अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय प्रथम नवाबगंज में वार्षिकोत्सव व मेधावी छात्र सम्मान का कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी कला व प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। एजाज अहमद, चांदनी,शिफा, रोशनी, मोहम्मद अब्दुल्लाह आदि नन्हे मुन्नों बच्चों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियो से वहां मौजूद अतिथियों की खूब तालियां बटोरी।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि थाना प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर यादव द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर ने कहा गांव के सरकारी स्कूलों में इस प्रकार के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास व रचनात्मकता को बढ़ाने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए वार्षिक परीक्षा के मेधावियों को पुरस्कार के साथ अंकपत्र वितरित किये। मुख्य अतिथि । द्वारा नये शैक्षिक सत्र की शुरुआत के अवसर पर नई कक्षा में नामांकन हेतु आये बच्चों का स्वागत स्कूल चलो अभियान के तहत पुष्पवर्षा करके किया गया। इस अवसर पर शिक्षक राजेन्द्र तिवारी, ज्ञान वती, सोहराब खां, तीर्थ राम वर्मा, रशीद अहमद , मंसूर अहमद, आदि मौजूद।

आदर्श रस्तोगी ने गेट 2026 में लहराया परचम, ऑल इंडिया रैंक 848 हासिल

कैसरगंज(बहराइच)। कैसरगंज निवासी आदर्श रस्तोगी ने अभियांत्रिकी स्नातक अभिक्षमता परीक्षा गेट 2026 में शानदार सफलता हासिल करते हुए अखिल भारतीय रैंक एआईआर 848 प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।यह परीक्षा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी द्वारा आयोजित की गई थी। आदर्श ने मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान मनोविज्ञान विषय में 100 में से 40.67 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। उन्हें 379 गेट स्कोर मिला, जो सामान्य वर्ग के अर्हता अंक 39.3 से अधिक है।इस विषय में कुल 6178 अभ्यर्थियों में आदर्श ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया। उनकी सफलता का श्रेय उनकी माता मीना रस्तोगी एवं नाना ओरीलाल सोनी को जाता है, जिनके मार्गदर्शन से उन्होंने यह मुकाम पाया। विजय सोनी ,राकेश सोनी,आशीष सोनी, तीरथ प्रसाद सोनी, क्षितिज सोनी इस उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

आज से सजेगा श्री बालाजी महाराज का पावन दरबार

कैसरगंज(बहराइच)। कैसरगंज रामलीला मैदान में श्री बालाजी महाराज के तीन दिवसीय पावन दरबार के आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं ।कार्यक्रम का शुभारंभ कल सुबह विधिवत पूजन के साथ होगा जिसके बाद तीन दिनों तक धार्मिक अनुष्ठान एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 4 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से कन्या पूजन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जो देर रात तक चलता रहेगा। इसी दिन रात्रि 8 बजे से भव्य जागरण एवं आकर्षक झांकियों का भी आयोजन किया जाएगा।बालाजी सेवा समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे परिवार सहित कार्यक्रम में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करें और प्रसाद ग्रहण करें। पूरे क्षेत्र में आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है।*

संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए दस्तक अभियान शुरू, जन-जागरूकता पर जोर

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। संचारी रोगों की रोकथाम और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से सीएमओ डॉ. संजय कुमार ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया। इस अवसर पर एसीएमओ डॉ अभाष अंकुर, एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ निर्मेश, डीसीपीएम मो0 राशिद, पीएफआई, डबल्यूएचओ व पाथ प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। जागरूकता रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। रैली के माध्यम से लोगों को मच्छर जनित रोगों, जलजनित बीमारियों और दिमागी बुखार (इंसेफ़ेलाइटिस) से बचाव के उपाय बताए गए।

सीएमओ डॉ. कुमार ने बताया कि जनसहभागिता और विभागीय समन्वय से ही संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। अभियान में नगर विकास, पंचायतीराज, बाल विकास, आयुष, कृषि, शिक्षा, पशुपालन, सूचना समेत विभिन्न 14 विभागों के समन्वय से संचालित अभियान के दौरान आमजन को सन्देश दिया जायेगा कि घर के आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें। विशेष रूप से कूलर और फ्रिज के पीछे जमा पानी को हर सप्ताह साफ करें। नारियल के खोल, बेकार टायर, टूटे मिट्टी के बर्तन, गमले, डिब्बे आदि में पानी इकट्ठा न होने दें। बुखार या अन्य लक्षण होने पर तुरंत जांच कराएं, साफ-सफाई रखें, शुद्ध पानी पिएं और लू से बचाव के लिए पर्याप्त पानी व आवश्यक सावधानी बरतें।

सीएमओ ने बताया कि जनपद में 1 से 30 अप्रैल तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा।

सीमा स्कूल में रिजल्ट वितरण, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। क्षेत्र के सीमा स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण कार्यक्रम हर्षोल्लास व गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा नेत्री व स्पार्क कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. अभिलाषा वर्मा रहीं, जिन्होंने विद्यार्थियों को अंकपत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। विद्यालय प्रबंधन ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ व माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। अपने संबोधन में डॉ. वर्मा ने कहा कि सफलता के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर ईमानदारी से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा परिणाम केवल अंकों का मूल्यांकन नहीं होता, बल्कि यह सीखने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही सच्ची सफलता है। इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे अन्य विद्यार्थियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा जागृत हुई। कार्यक्रम में छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अभिभावक, शिक्षक व गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से एक थे, एसएम जोशी : चंद्रभूषण

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। समाजवादी राजनीति को समतावाद परस्त बनाने वालों की कड़ी में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी और संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे एसएम जोशी का महत्वपूर्ण योगदान है जबकि वे ब्राह्मण समाज से आते थे,उक्त उद्गार रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डुमरी स्थित सपा जन संपर्क कार्यालय पर आयोजित स्मृति दिवस कार्यक्रम में व्यक्त करते हुए सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से एक एस एम जोशी ने आजीवन समाजवादी रीति -नीति के लिए अपना सम्पूर्ण योगदान दिया।

सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने एस एम जोशी को याद करते हुए कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में 1931 में नमक सत्याग्रह करते हुए गिरफ्तार होने वाले एसएम जोशी लगातार स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रहते हुए जेल जाते रहे।इस दौरान वे 1929 में पार्वती मंदिर में दलित प्रवेश कराने हेतु आयोजित कार्यक्रम में बुरी तरह से पीटे गए। विधायक, सांसद रहते हुए एसएम जोशी ने समाजवादी धारा को प्रतिस्थापित रखने की पुरजोर कोशिशें की। हम आज अपने इस महान पुरखा को उनके स्मृति दिवस पर नमन करते हैं। उक्त अवसर पर उपस्थित सुनिल यादव, अनिल यादव,सुरेश नारायण सिंह, मुरलीधर, व्यास यादव, गोविंद यादव, दयानंद यादव, अभिषेक गुड्डू गोंड, संतोष मद्धेशिया, अयोध्या वर्मा, नाजिर अंसारी, लोरिक यादव, अशोक यादव, संजय यादव, शैलेन्द्र कुमार, सचिन कुमार, नारायण प्रसाद, नगीना यादव ,रामप्यारे यादव,अमित टुनटुन यादव आदि ने समाजवादी पुरोधा एसएम जोशी के चित्र के समक्ष नतमस्तक हो नमन किया।

पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनन्द कुमार पाण्डेय के कुशल निर्देशन में थाना ए0एच0टी0 पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-431/2024 धारा 363,366,376(3) भादवि व 5 /6 पाक्सो एक्ट थाना कोतवाली जनपद देवरिया से सम्बन्धित वांछित 01 अभियुक्त सलमान उर्फ शारुख उर्फ शेरू पुत्र अलाउद्दीन अंसारी पता अहमदनगर थाना कोतवाली को 31 मार्च 2026 को मुखबिर की सूचना पर गोरखपुर रोड पर पुरवा के आगे कार प्वाइन्ट से गिरफ्तार करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। अवगत कराना है कि उक्त अभियोग से संबंधित पीड़िता को थाना ए0एच0टी0 पुलिस देवरिया द्वारा 18 जनवरी 2026 को सकुशल बरामद किया जा चुका है। गिरफ्तार अभियुक्तों में सलमान उर्फ शारुख उर्फ शेरू पुत्र अलाउद्दीन अंसारी निवासी अहमदनगर ओवर थाना कोतवाली रहा। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में क्रमशः उ0नि0 औरंगजेब खॉ थाना-ए0एच0टी0 ,का0 राहुल कुमार थाना-ए0एच0टी0, एवं म0आ0 खुशबू अग्रहरि थाना-ए0एच0टी0 शामिल रहे।

स्मार्ट क्लास के उद्घाटन से शिक्षा में आएगा नया बदलाव : डॉ. अभिलाषा

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच । क्षेत्र के जीजेवीएम स्कूल में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भाजपा नेत्री व स्पार्क कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. अभिलाषा वर्मा ने स्मार्ट क्लास का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, अभिभावक एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. अभिलाषा वर्मा द्वारा फीता काटकर स्मार्ट क्लास के उद्घाटन के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने उन्हें पुष्पगुच्छ व माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत होकर डॉ. वर्मा ने विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और तकनीक का समावेश शिक्षा को अधिक प्रभावी एवं रोचक बना रहा है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से छात्र अब विषयों को चित्रों, वीडियो और डिजिटल माध्यम से बेहतर तरीके से समझ सकेंगे, जिससे उनकी सीखने की क्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी शहरी स्तर की शिक्षा का लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि स्मार्ट क्लास के संचालन से शिक्षण कार्य में गुणवत्ता आएगी और छात्रों का शैक्षिक स्तर बेहतर होगा।

अंत में विद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम का समापन उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ हुआ।

संचारी रोगों से बचाव सिफर से शत प्रतिशत संभव : सीडीओ

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने बुधवार को पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज से एक से 30 अप्रैल तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान व 11 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान की जागरूकता रैली को झंडा दिखाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर संचारी रोगों से बचाव के लिए एनसीसी कैडेट, नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं, आशा, आंगनबाडी और सहायिका ने लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक किया ।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों से बचाव पूरी तरह संभव है। इसके लिए जागरूकता जरूरी है कि व्यापक साफ सफाई रहे जिससे कि मच्छर न फैलें। संचारी रोग जैसे डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, चिकनगुनिया, मच्छरों के काटने से ही होते हैं। इसलिए सभी लोग साफ सफाई रखें और लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पूरी निष्ठा,लगन के साथ जनपद को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें। संचारी रोग अभियान के तहत साफ सफाई, स्वच्छता, एंटी लारवा छिड़काव, फॉगिंग, नाला नालियों की सफाई, तालाबों/पोखरों के पास की झाड़ियों की सफाई तथा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव का कार्य शत प्रतिशत संबंधित अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित कराया जाए।

उन्होंने कहा कि जनपद के समस्त ग्राम पंचायतों व राजस्व ग्रामों तथा नगर पालिका सहित नगर पंचायतों के वार्डो में संचारी रोगों की रोकथाम संबंधी गतिविधियां साफ-सफाई, कचरा निस्तारण, जलभराव रोकने, शुद्ध पेयजल उपलब्धता पर विशेष ध्यान देते हुए सभी सहयोगी विभागों द्वारा व्यवहार परिवर्तन व प्रचार प्रसार कराएं जाएं। अभियान में स्वास्थ्य विभाग नोडल है तथा स्वास्थ्य विभाग सहित कुल 13 विभाग सहयोग कर रहे हैं। इस मौके पर एसीएम डॉ एसके सिन्हा, नोडल अधिकारी डॉ हरेंद्र, डीटीओ डॉ राजेश कुमार, डिप्टी सीएम डॉ विपिन रंजन, जिला मलेरिया अधिकारी सीपी मिश्रा, डीसीपीएम राजेश गुप्ता, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी लालबचन चौधरी, सहयोगी संस्था सीफार के जिला प्रतिनिधि नीरज ओझा व समस्त मलेरिया, फाइलेरिया निरीक्षक, सहयोगी विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी आदि मौजूद रहे।

पेज एक का शेष...

यह हमारा युद्ध नहीं है, ...

करने, फंसे हुए जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति फिर से शुरू करने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। श्री स्टार्मर ने कहा कि संघर्ष समाप्त होने के बाद सैन्य योजनाकार यह आकलन करेंगे कि जलडमरूमध्य तक सुरक्षित पहुंच कैसे सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा ''हमें सैन्य शक्ति और कूटनीतिक प्रयासों का संयुक्त मोर्चा चाहिए, उन्होंने घरेलू प्रभावों पर बात करते हुए ऊर्जा कीमतों और महंगाई को लेकर जनता की चिंताओं को स्वीकार किया और तत्काल राहत के लिए पांच सूत्रीय योजना की घोषणा की। इसके तहत प्रति परिवार 100 पाउंड से अधिक की ऊर्जा लागत में कटौती, ईंधन शुल्क में कटौती को सितंबर तक बढ़ाना, हीटिंग ऑयल की कीमतों से प्रभावित लोगों के लिए 53 मिलियन पाउंड की सहायता तथा स्वदेशी स्वच्छ ऊर्जा में निवेश शामिल है। श्री स्टार्मर ने यूरोपीय संघ के साथ करीबी सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर देते हुए कहा कि सुरक्षा, व्यापार और ऊर्जा के क्षेत्र में साझेदारी ब्रिटेन के दीर्घकालिक हित में है। उन्होंने कहा कि ब्रेक्जिट से अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है और अब अवसरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ''इस संघर्ष की शुरुआत से ही मेरा मार्गदर्शन ब्रिटेन का राष्ट्रीय हित रहा है जो पश्चिम एशिया में नौवहन की स्वतंत्रता, हमारे लोगों की सुरक्षा और हमारे भविष्य को सुरक्षित करना है।

अमेरिकी कानून के तहत नाटो से बाहर निकलने या सदस्यता निलंबित करने के लिए व्हाइट हाउस को सीनेट की ''सलाह और सहमति'' प्राप्त करनी होती है, जिसके लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। विश्लेषकों के अनुसार, यूक्रेन में रूस के साथ जारी युद्ध के बीच नाटो सहयोगियों के लिए यह बयान चिंता का विषय है, क्योंकि इससे उन्हें रूसी सैन्य दबाव का सामना स्वयं करना पड़ सकता है। इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने श्री ट्रंप की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ब्रिटेन नाटो के प्रति ''पूर्णतः प्रतिबद्ध'' है और इसे दुनिया का ''सबसे प्रभावी सैन्य गठबंधन'' बताया।

भोजशाला विवाद...

प्रस्तुत किया जाए। याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें वीडियो रिकॉर्ड और तस्वीरों को प्रस्तुत करने वाली उनकी अर्जी पर सुनवाई को 'अंतिम सुनवाई' तक के लिए टाल दिया गया था। याचिकाकर्ता का तर्क था कि इन साक्ष्यों को पहले देखा जाना चाहिए पर उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय की कार्यप्रणाली पर विश्वास जताते हुए हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने अदालत को बताया कि मामला कल (2 अप्रैल) के लिए सूचीबद्ध है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय, केवल उच्चतम न्यायालय के उस पुराने निर्देश का पालन कर रहा है, जिसमें इस संवेदनशील मामले पर 'समयबद्ध निर्णय' लेने को कहा गया था।

स्मार्ट मीटर के एमडीएम...

झेलनी पड़ रही हैं। मसलन, रीचार्ज के बाद भी कनेक्शन नहीं जुड़ रहे, बार-बार बैलेंस माइनस में बताने का संदेश या रीचार्ज करने के बावजूद रकम मीटर खाते में ट्रांसफर न होना आदि। पहले भी पकड़ा गया था मामला -उपभोक्ता परिषदउपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा कहते हैं कि इसके पहले स्मार्ट मीटर में चीनी कंपोनेंट इस्तेमाल किए जाने का मुद्दा उठाया गया था। जांच में यह सच साबित हुआ, जिसके बाद जनरल टेक्निकल पर्टिकुलर (जीटीपी) में संशोधन करना पड़ा था। भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' नीति के मुताबिक स्मार्ट मीटरों में न्यूनतम 60 प्रतिशत कंपोनेंट भारतीय होने चाहिए और एक जनवरी 2025 से एचईएस व एमडीएम में 100 प्रतिशत न्यूनतम स्थानीय सामग्री (एमएलसी) अनिवार्य है। अवधेश ने कहा कि एमडीएम की कम कार्यक्षमता की वजह से मीटर रीचार्ज करने के बाद भी कनेक्शन खुद ब खुद न जुड़ने की समस्या आ रही है।

वाणिज्यिक रसोई ...

रसोई गैस सिलेंडर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें 07 मार्च को 60 रुपये की वृद्धि की गयी थी और फिलहाल दिल्ली में इसकी कीमत 913 रुपये प्रति सिलेंडर है। कोलकाता में पहली अप्रैल से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 218 रुपये (10.95 प्रतिशत) महंगा होकर 2,208 रुपये का और मुंबई में 196 रुपये (10.68 प्रतिशत) की बढ़ोतरी के साथ 2,031 रुपये का हो गया है। चेन्नई में इसकी कीमत 203 रुपये (9.93 प्रतिशत) बढ़कर अब 2,246.50 रुपये प्रति सिलेंडर पर पहुंच गयी है।

पीएम केयर फंड...

को उन लोगों पर भी कार्रवाई करनी चाहिए, जो देश की संपत्ति बाहर ले जाकर रह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोगों को संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों की बुनियाद बदनीयत और बेईमानी पर आधारित है और जनता इसका जवाब देगी। श्री यादव ने कहा है कि कुशल अधिकारियों की भाजपा सरकार में कोई अहमियत नहीं है। भाजपा में तो उनकी पूछ है जिनकी चोरी के पैसों की ही चोरी हो जाती है या जो निवेश तक में 5 फीसद का प्रवेश शुल्क वसूल लेते हैं। बुधवार को सोशल मीडिया के जरिये अखिलेश ने कहा,ह्न हर अच्छे अधिकारी से हमारी मांग है कि भावावेश में आकर कोई फ़ैसला न करें, बुरे दिन जानेवाले हैं। पीडीए सरकार आएगी और सबको उचित मान-सम्मान-स्थान देगी क्योंकि पीडीए की सरकार जनता की सरकार होगी, जो समस्याओं के समाधान व असमानताओं को दूर करने के लिए सच में विकास के काम करेगी। उन्होंने कहा, क्वॉलिटी वर्क और तय समय सीमा के अंदर काम को पूरा करने के लिए हमेशा ही बेहतरीन ऑफ़िसर्स की ज़रूरत पड़ती है। अपने काम में पारंगत अधिकारियों की हमने हमेशा क़द्र की है और आगे भी करेंगे। पीड़ित अधिकारी हो या कर्मचारी सभी भाजपा को हटाने के लिए पीडीए के साथ हैं। 'पीड़ा' बढ़ रही है, इसीलिए 'पीडीए' बढ़ रहा है क्योंकि 'जो पीड़ित, वो पीडीए'।

जनता ने राजनीतिक कचरा...

नोएडा-ग्रेटर नोएडा सहित सात शहरों में मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी हैं। बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के कारण यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इलेक्ट्रिक बस सेवा का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। सिटी बस सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसों में बदला जा रहा है। शहरों को आपस में जोड़ने और सैटेलाइट सिटी को कनेक्ट करने के लिए भी इलेक्ट्रिक बस नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन जैसी व्यवस्था सामान्य लगती है। 2017 से पहले इसकी सोच भी नहीं थी। सत्ता में बैठे लोगों के कारनामे भी कूड़े से भरे थे। अव्यवस्था और गंदगी का परिणाम इंसेफ़ेलाइटिस, डेंगू, मलेरिया और फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों के रूप में सामने आता था, जिसने उत्तर प्रदेश को बुरी तरह प्रभावित किया। जो राज्य विकास और विरासत का नेतृत्व कर सकता था, वह खुद बीमारू बन गया था। जहां मासूमों की असमय मौतें होती थीं। उस दौर में संवेदनहीनता और उपेक्षा हावी थी लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पिछले दिनों लखनऊ के लोकप्रिय सांसद राजनाथ सिंह द्वारा 200 से अधिक ऐसे वाहनों को हरी झंडी दिखाई गई थी। अब 250 नए वाहन लखनऊ के वार्डों में लगाए जा रहे हैं। इससे घर-घर कूड़ा प्रबंधन को और सशक्त किया जाएगा। इस अवसर पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ नीरज बोरा, अमरेश कुमार, जय देवी, विधान परिषद के सदस्य इंजीनियर अवनीश कुमार, मुकेश शर्मा, पवन सिंह चौहान, रामचंद्र प्रधान, लालजी प्रसाद निर्मल उपस्थित रहे।

योगी सरकार में कौशल विकास मिशन का बड़ा कदम, पहले दिन 99,075 प्रशिक्षण लक्ष्य आवंटित

डिजिटल इम्पैनलमेंट से बढ़ेगी गुणवत्ता व जवाबदेही

प्रभात समय संवाददाता

- पहली बार ग्रेडिंग नीति को सार्वजनिक कर प्रशिक्षण केंद्रों का मूल्यांकन किया गया
- प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की समय सीमा 90 दिन से घटाकर 30 दिन कर दी गई
- एआई आधारित प्रशिक्षण और समावेशी प्राथमिकता से युवाओं को मिलेगा बेहतर रोजगार अवसर

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में कौशल विकास को नई गति देते हुए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने वित्तीय वर्ष के पहले ही दिन 99,075 प्रशिक्षण लक्ष्यों का आवंटन 957 ट्रेनिंग पार्टनर्स को जारी कर दिया। इस वर्ष पहली बार ग्रेडिंग नीति को सार्वजनिक कर प्रशिक्षण केंद्रों का मूल्यांकन किया गया। इसी आधार पर प्राइवेट, इंडस्ट्रियल और सरकारी पार्टनर्स को लक्ष्य आवंटित किए गए, जिससे जवाबदेही और गुणवत्ता सुनिश्चित हुई है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में मिशन निदेशक पुलकित खरे की पहल पर इस प्रक्रिया को पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाया गया है। प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की समय सीमा 90 दिन से घटाकर 30 दिन कर दी गई है। साथ ही 'स्मार्ट टॉप-अप' व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले संस्थान बैच समाप्ति से पहले अतिरिक्त लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया को डिजिटल कर दिया गया है। अब इम्पैनलमेंट, लक्ष्य आवंटन और भुगतान पूरी तरह ऑनलाइन होंगे। 23 फरवरी 2026 के नए नियमों के तहत संस्थाओं को उनकी ग्रेडिंग और प्रशिक्षण गुणवत्ता के आधार पर भुगतान किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि होगी।

मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि एआई सहित आधुनिक कौशल प्रशिक्षण, हर वर्ग को प्राथमिकता प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 'एआई फॉर ऑल', सॉफ्ट स्किल्स, लाइव क्लास और इंडस्ट्रियल विजिट को अनिवार्य किया गया है। साथ ही 33% महिलाओं, 5% दिव्यांगजनों और वंचित वर्ग के युवाओं को प्राथमिकता देना सुनिश्चित किया गया है, जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। मिशन अब 'क्वांटिटी' से 'क्वालिटी' की ओर बढ़ रहा है। डिजिटल पारदर्शिता और समयबद्ध रणनीति से युवाओं को विश्वस्तरीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सम्मानजनक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

विगत वर्ष जहां ट्रेनिंग पार्टनर्स को पूरे वर्ष के लिए 1.10 लाख प्रशिक्षणार्थियों का एकमुश्त लक्ष्य आवंटित किया गया था, वहीं इस वर्ष रणनीति में सुधार करते क्वार्टरली यानी कि तीन महीने में लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। प्रथम तीन माह के लिए 99,075 प्रशिक्षणार्थियों का लक्ष्य जारी किया गया है। इसके अंतर्गत अच्छा प्रदर्शन करने वाले ट्रेनिंग पार्टनर्स को उनकी क्षमता के अनुसार 'टॉप-अप' (अतिरिक्त लक्ष्य) की विशेष सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने बेमौसम बारिश से परेशान किसानों का जाना हाल

प्रभात समय संवाददाता

- निर्देशः किसानों से संवाद बनाएं, फसलों के नुकसान का आकलन कराएं और उन्हें मुआवजा दिलाएं
- बारिश से प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारी किसानों के बीच पहुंचकर जानें परेशानी, प्रमुख सचिव (कृषि) व राहत आयुक्त बनाएं समन्वय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कई जनपदों में बुधवार को हुई बारिश से परेशान किसानों का हाल जाना। उन्होंने असमय बारिश के कारण किसानों को होने वाली परेशानी के बारे में जिलाधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम की मार झेलने वाले किसानों को परेशानी न हो, किसान हित सरकार की प्राथमिकता है। किसानों की बर्बाद हुई फसल के नुकसान का आकलन कर संपूर्ण जानकारी एकत्र करें और उन्हें जल्द से जल्द राहत दिलाएं। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी फसल नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वे कराकर शासन को अवगत कराएं, जिससे किसानों को तत्काल मुआवजा दिलाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर आपदा-विपदा में प्रदेशवासियों के साथ निरंतर खड़ी है। विगत दिनों हुई बारिश से भी किसानों की फसल प्रभावित हुई थी, इससे नुकसान होने वाली फसल का मुआवजा दिलाया जा रहा है। बुधवार को होने वाली बारिश के कारण भी फसल को जो नुकसान हुआ है, उसका भी जल्द से जल्द आकलन करा लिया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के हित में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और सुनिश्चित करें कि किसानों को कोई परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि फील्ड में रहकर वस्तुस्थिति का जायजा लें और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन कराएं, जिससे किसानों को समय पर उचित सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव (कृषि) व राहत आयुक्त से कहा कि फील्ड में कार्यरत अधिकारियों से सीधा संपर्क करें और समन्वय बनाएं। सभी सूचनाएं समय पर एकत्र कर शासन को उपलब्ध कराई जाए, जिससे राहत कार्य भी समय से हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसलों को हुई क्षति का आकलन प्राप्त होते ही मुआवजा वितरण की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए। भुगतान व्यवस्था समयबद्ध ढंग से हो, ताकि मौसम की मार से प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

पिता ने बेटे के अंतिम संस्कार में शामिल होने से किया इनकार, नाराज परिजनों ने रोड जाम किया

लखनऊ। पारा क्षेत्र में एक युवक की मौत के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने बुद्धेश्वर फ्लाईओवर के पास आदर्श बिहार सर्विस रोड पर जमकर हंगामा किया। नाराज

लोगों ने युवक का शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया, जिससे यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। मृतक की पहचान 25 साल के राहुल उर्फ गोलू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उसके पिता राजेंद्र रावत ट्रक चालक हैं और भपटामऊ के निवासी हैं। राजेंद्र की पहली पत्नी कृष्णा देवी का 2006 में निधन हो गया था। इसके बाद उन्होंने रहिमाबाद क्षेत्र की जगदेई से दूसरी शादी कर ली और पारा के शिवपुरी आदर्श बिहार में रहने लगे। राहुल और उसकी बहन रजनी (पहली पत्नी से) भपटामऊ में रहते थे। रजनी विवाहित है। बताया गया कि राहुल उर्फ गोलू हाल ही में जेल से रिहा हुआ था। तबीयत बिगड़ने पर उसकी बहन रजनी और अन्य परिजनों ने उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई और उसे घर ले जाने की सलाह दी। अस्पताल से घर लौटते समय रास्ते में ही राहुल की मौत हो गई। राहुल की मौत की खबर मिलने पर रजनी और अन्य परिजन उसके पिता राजेंद्र रावत के घर पहुंचे। उन्होंने राजेंद्र से अंतिम संस्कार में शामिल होने का अनुरोध किया। परिजनों का आरोप है कि राजेंद्र ने अंतिम संस्कार में शामिल होने से इनकार कर दिया और अपनी दूसरी पत्नी के साथ घर पर ताला लगाकर चले गए। इससे नाराज होकर परिजनों और स्थानीय लोगों ने राहुल का शव हरदोई रिंग रोड की सर्विस लेन पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक राहुल पूर्व में अपने पिता की हत्या की साजिश रचने के आरोप में जेल जा चुका था। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस महाविद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता आरंभ

लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ में आयोजित की जा रही वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 के तृतीय दिवस का आरंभ प्राचार्य प्रोफ़ेसर रश्मि बिश्नोई द्वारा छात्राओं को क्रीड़ा शपथ ग्रहण के साथ हुआ। आज आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में ऊंची कूद प्रतियोगिता में अधीरा यादव प्रथम, शगुन सिंह द्वितीय, अनन्या यादव तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार 100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में अनन्या यादव प्रथम, शीतल यादव द्वितीय, शगुन सिंह तृतीय तथा संतोषी पाल ने सांत्वना पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में अनन्या यादव प्रथम, शगुन सिंह द्वितीय, रोहिणी तृतीय तथा अमृता सिंह ने सांत्वना पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद प्रतियोगिता में अनन्या यादव प्रथम, शगुन सिंह द्वितीय, सपना तृतीय जबकि दिव्यांशी यादव ने प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया। गोला फ़ेंक प्रतियोगिता में दिव्यांशी प्रथम अधीरा यादव द्वितीय, सपना तृतीया तथा पलक ने सांत्वना पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया। चक्का फेंक प्रतियोगिता में अधीरा यादव प्रथम, सिमरन द्वितीय, राखी तृतीय तथा पलक चौरसिया ने सांत्वना पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया। भाला फ़ेंक प्रतियोगिता में दिव्यांशी यादव प्रथम स्थान, रमसा नौशाद द्वितीय तथा मालिनी तृतीय स्थान पर रहे। जबकि 400 मी रिले रेस में अधीरा यादव, जया मिश्रा, रोहिणी व अनन्या यादव की टीम प्रथम स्थान, शगुन सिंह, मुक्ति राजपूत, पलक चौरसिया, सपना की टीम द्वितीय स्थान, तुषा पांडे, मानसी यादव, आरती व मालिनी की टीम तृतीय स्थान पर रही। खो खो प्रतियोगिता में फाइनल राउंड रानी लक्ष्मीबाई टीम वह अवंती बाई टीम के बीच संपन्न हुआ, जिसमें अधीरा यादव के नेतृत्व में विजेता रही। 100 मी रेस में प्राध्यापक वर्ग में डॉ राहुल पटेल प्रथम, डॉक्टर कुणाल दीक्षित द्वितीय, डॉ अरविंद तृतीय स्थान पर जबकि प्राध्यापिका वर्ग में डॉक्टर हेमलता पांडे प्रथम, डॉक्टर श्रद्धा द्विवेदी द्वितीय, डॉक्टर माला पाठक तृतीय स्थान पर रहे।

डॉ जेपी गुप्ता बने सिविल अस्पताल के नए निदेशक

- सेवानिवृत्त निदेशक डॉ कजली गुप्ता को दी गई सम्मानजनक विदाई

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल चिकित्सालय की निदेशक डॉ जे पी गुप्ता ने पदभार संभाल लिया है। डॉ कजली गुप्ता के सेवानिवृत होने पर डॉ जे पी गुप्ता को सिविल अस्पताल का नया निदेशक नियुक्त किया गया है। उधर दूसरी ओर कर्मचारियों और डॉक्टरों ने सेवानिवृत निदेशक का सम्मान समारोह किया।

चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ देवेश चंद्र पांडे, चिकित्सा अधीक्षक डॉ एस आर सिंह, चीफ फार्मासिस्ट सुनील यादव, जीसी दुबे, सरवन चौधरी, आनंद प्रकाश मिश्रा, महेंद्र रावत,रजनीश पांडे, प्रशासनिक अधिकारी मनोज उपाध्याय, वरिष्ठ सहायक उमेश क्वात्रा, अनिल कुमार आदि ने अस्पताल के सभागार में डा कजली गुप्ता का सम्मान किया और नये निदेशक को बधाइयां दी । सम्मान समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मियों ने डॉ कजली गुप्ता के विगत 9 माह में सिविल अस्पताल में किए गए कार्यों की सराहना की ।

जालसाज ने बुजुर्ग का कार्ड बदलकर खाते से निकाले साढ़े 97 हजार

प्रभात समय संवाददाता

- सीसीटीवी की मदद से आरोपी की तलाश की जा रही

लखनऊ। ठाकुरगंज क्षेत्र के बरफखाना निवासी पूरन चन्द्र (74)से एटीएम कार्ड बदलकर रूपये निकलने का मामला सामने आया है। जालसाज ने बुजुर्ग का कार्ड बदलकर उनके खाते से अलग-अलग तिथियों में 97500 रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने बैंक में शिकायत दर्ज कराने के साथ चौक कोतवाली में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

बरफखाना ठाकुरगंज चौक निवासी पूरन चन्द्र (74) सचिवालय प्रशासन विभाग से वर्ष 2012 में निजी सचिव श्रेणी-चार पद से सेवानिवृत्त हैं। उनका खाता एसबीआई की यूपी सिविल सेक्रेटेरिएट शाखा में है।

पीड़ित के मुताबिक, 1 मार्च 2026 को दोपहर करीब 1:50 बजे वह अपने पोते अंतरिक्ष के साथ कोनेश्वर महादेव मंदिर के सामने स्थित एसबीआई एटीएम से रुपए निकालने पहुंचे थे। बुजुर्ग होने के कारण उन्होंने एटीएम कार्ड पोते को दे दिया। इसी दौरान पास खड़ा एक युवक उनका पिन सुन रहा था। रुपए निकालते समय ओटीपी आने में देरी हुई तो युवक ने मशीन से छेड़छाड़ करते हुए दोबारा ओटीपी भेजने की बात कही। कुछ देर बाद 20 हजार रुप निकल गए। पीड़ित वहीं खड़े होकर रुपए गिनने लगे, तभी आरोपी ने उनका एटीएम कार्ड बदल दिया और दूसरा कार्ड थमा दिया, जिस पर प्रवीण बरनवाल का नाम लिखा था। पीड़ित को इस बात का पता नहीं चला और वह घर लौट गए। 9 मार्च को उन्होंने बैंक से 50 हजार रुपए चेक के जरिए निकाले, लेकिन पासबुक एंट्री चेक नहीं कर सके। अगले दिन 10 मार्च को उनके मोबाइल पर 10 हजार रुपए निकाले जाने का मैसेज आया, जिससे वह घबरा गए। पासबुक अपडेट कराने पर पता चला कि अलग-अलग स्थानों - सोनिया गांधी मार्केट, मुसाफिरखाना सुल्तानपुर और रायबरेली रोड वृंदावन कॉलोनी - स्थित एटीएम से कई बार में कुल 97,500 रुपये निकाले जा चुके हैं।

जांच करने पर उनके पास मौजूद कार्ड किसी प्रवीण कुमार बरनवाल के नाम का निकला। बैंक से जानकारी करने पर आरोपी का मोबाइल नंबर और पता भी मिला है। पीड़ित ने बताया कि घटना की जानकारी उसी दिन बैंक को देकर एटीएम कार्ड ब्लॉक करा दिया था। उनका कहना है कि एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच और मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी की पहचान की जा सकती है। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपध्याय का कहना है कि सीसीटीवी की मदद से आरोपी की तलाश की जा रही है।

हबीब तनवीर की चरनदास चोर का मंचन

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। श्री नाट्य फाउंडेशन की लोक नृत्य प्रस्तुति चरनदास चोर का मंचन मंगलवार को राय उमनाथ बाली प्रेक्षाग्रह, लखनऊ में किया गया। इस प्रस्तुति के नाटककार लेखक हबीब तनवीर हैं, भाषा परिवर्तन एंव गीत राजा अवस्थी तथा परिकल्पना एवं निर्देशन मो. मुस्तकीम सलमानी द्वारा किया गया। नाटक चरनदास चोर एक प्रभावशाली प्रेरणादायक नाटक है, जो समाज को गहरी सीख देता है। यह प्रस्तुति विशेष रूप से उन लोगों के लिए संदेश लेकर आई, जो अपने निजी फायदे के लिए झूठ का सहारा लेते है और समाज में बिगाड़ करते है जिससे इंसान का इंसानियत और रिश्तों से भरोसा उठता जा रहा है। नाटक ने यह दर्शाया कि अपने वचनो और सच्चाई का सम्मान करने से व्यक्ति योगी का स्थान पा लेता है। कहानी चरनदास चोर राजस्थान की मशहूर लोक-कथा पर आधारित है, जिसमें चरनदास चोर और हवलदार के बीच चूहा-बिल्ली का खेल जारी है। हवलदार पकड़ लेता है फिर भी चरनदास उसको चकमा देकर भाग जाता है। वह एक किसान को ठगता है और फिर एक सेठानी को ठगता लेकिन दिल का अच्छा होने के कारण वह सेठानी के सारे जेवर वापस कर देता है। फिर एक दिन हवलदार से बचने के लिए वह एक साधू की शरण में जाता है तो साधू उससे एक चीज छोड़ने को कहता है तो चरनदास चार चीजे छोड़ने का प्रण लेता है। फिर गुरू उससे सच बोलने का भी प्रण ले ही लेते है। चरनदास अपने सत्यवादिता के लिए मशहूर हो जाता है। साथ ही वह चोरी करके गरीबो की सहायता भी करता है। वह अपने जीवन की आखिरी चोरी की इच्छा को पूरा करने के कारण रानी के सामने आना पड़ता है तो रानी उसके सत्यवादिता से प्रभावित होकर उससे शादी करने का प्रस्ताव रखती है। परन्तु चरनदास गुरू को दिये वचनों के कारण शादी से इंकार कर देता है। तब रानी अपने रौब में आकर उसकी हत्या का आदेश देती है और कहती है जो शासन की बात नहीं मानेगा वह इस तरह के पुरस्कार का हकदार होगा। नाटक में मोहित यादव, दीपा यादव, अरुण विश्वकर्मा, खुशी वर्मा, तारीख इकबाल, राकेश चौधरी, अशोक लाल, आदित्य, आनन्द शर्मा, अंकुर सक्सेना, मुस्तकीम सलमानी, तमन्ना सिंह, मौसमी गुप्ता, धनराज बाजपेई, प्रदीप कुमार मित्रा, अनील मिश्रा, प्रदीप कुमार मित्रा, अभिषेक अरुन ने सशक्त अभिनय कर दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की।

सफाई का रखें ध्यान बीमारी से बचाएं जान

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के प्रबंधन एवं फॉर्मेसी संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से संयुक्त रूप से कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में ग्राम रैथा एवं दुग्गोर गांव में सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हो गया। इन सात दिनों में एनएसएस कैडेट्स ने ग्रामीणों के बीच कई कार्यक्रम किये। ग्राम के सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई करने के साथ ही उसके महत्व के बारे में बताया गया। बताया कि सिर्फ गंदगी की वजह से तमाम बीमारियां होती है। यदि सफाई का ध्यान रखा जाये तो काफी हद तक बीमारियों से सहज ही बचा जा सकता है। इसी तरह शिविर के दौरान गांव में खाली जमीनों पर पौधरोपण कर पर्यावरण के प्रति भी जागरूकता फैलायी गयी। बताया गया कि पेड़ न केवल हमारे लिये जीवनदायिनी हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वस्थ जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत गेरावां, विकास खण्ड हैदरगढ़, जनपद - बाराबंकी

पत्रांक- मेमो/2026-27 दिनांक -01.04. 2026

अल्पकालिक निविदा सूचना

ग्राम पंचायत गेरावां, विकास खण्ड हैदरगढ़ में वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (बीपीजीरामजी) मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) / एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन, अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय, सीएचसी सेंटर, अंत्येष्टि स्थल, पशु सेट, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम, कायाकल्प, एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है। 1. ईंट प्रथम श्रेणी, ईंट सीधा खंजड, 2. सीमेंट, 3. साधारण बालू, स्थानीय बालू, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 10 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स, 7. एन पी 3 ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी 3, 8. सोलर लाइट, 9. ईंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेट, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्ते ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 02.04.2026 से 16.04.2026 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफ़ाफ़े में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्ते ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 17.04.2026 समय अपराह्न 02:00 बजे।

नियम/शर्ते

1.- आपूर्तिकर्ता का फर्म जीएसटी पंजीकृत होनी चाहिए। जिसके बैंक डिटेल के साथ प्रमाणित छायाप्रति संलग्न होनी चाहिए।
2.- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी रूप से गुणवत्ता प्रमाणित होने व मापन के उपरांत ही किया जायेगा।
3.- ग्राम पंचायत वार्षिक कार्य योजना में पड़े अलग-अलग कार्यों के अनुसार फर्मों द्वारा अलग अलग कोटेशन देय होगा।
4.- निविदा/ कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा। निविदा/कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
5.- ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजूदगी में निविदा खोला जायेगा।
6.- प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
7 - आपूर्ति की गई सामग्री का भुगतान आपूर्तिकर्ता के बैंक खाते में पीएफएमएस के माध्यम से क्रेडिट किया जायेगा।

अनुज कुमार
ग्राम प्रधान
ग्रा. पं. गेरावां
विं. खं - हैदरगढ़
जनपद - बाराबंकी

राजकुमार
पंचायत सचिव
ग्रां. पं. गेरावां
विं. खं - हैदरगढ़
जनपद - बाराबंकी

वैश्विक साइबर सुरक्षा कवच बनेगा फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट

योगी सरकार अपराध के बदलते तरीकों पर लगाएगी ब्रेक

प्रभात समय संवाददाता

- वन स्टॉप सेंटर में होगा क्वांटम कंप्यूटिंग के हर अत्याधुनिक विषय का समाधानः डॉ. गोस्वामी
- नए साइबर खतरों से निपटने में अत्यंत कारगर साबित होगा फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट : डॉ. अजय सिंह

लखनऊ। बदलते साइबर अपराध के तौर-तरीकों पर लगाम कसने के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राजधानी लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में 500 से ज्यादा साइबर फॉरेंसिक वारियर तैयार किए जा रहे हैं, जो भविष्य में सीमापार हैकिंग, एआई जनित फिशिंग, डीपफ़ेक और उभरते डिजिटल खतरों से मुकाबला करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर साइबर सुरक्षा को लेकर विशेष कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयोजित मीट माई मेन्टोर कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा और क्वांटम तकनीक के विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में साइबर अपराध का स्वरूप और अधिक जटिल होगा, लेकिन यूपी की यह पहल इसे रोकने में निर्णायक साबित होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, भारत सरकार के सदस्य डॉ. अजय सिंह ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान विश्वस्तरीय बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और नए साइबर खतरों से निपटने में अत्यंत कारगर साबित होगा। उन्होंने कहा कि आज साइबर खतरे केवल ईमेल या एसएमएस तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अब वॉइस क्लोनिंग, डीपफ़ेक वीडियो और फर्जी वीडियो कॉल के जरिए भी बड़े पैमाने पर अपराध किए जा रहे हैं। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के जरिए इन खतरों से निपटना आसान हो जाएगा। डॉ. अजय सिंह ने चेताया कि अब ऐसे मालवेयर सामने आ रहे हैं जो खुद सीख सकते हैं और अपने आप विकसित होकर सुरक्षा तंत्र को भी चकमा दे सकते हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग की सीमाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि डेटा पर हमला कई संगठनों को प्रभावित करता है। ऐसे में फॉरेंसिक विशेषज्ञों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के. गोस्वामी ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी तकनीकें हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने वाली हैं और यही समय है जब युवाओं को इसके लिए तैयार किया जाए। उन्होंने छात्रों को कानूनी, फॉरेंसिक और तकनीकी ज्ञान को एक साथ जोड़कर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

इस अवसर पर उप निदेशक जितेन्द्र श्रीवास्तव, चिरंजीव मुखर्जी, अतुल यादव, पीआरओ संतोष तिवारी, फ़ेकल्टी डॉ. सपना शर्मा, डॉ. श्रुतिदास गुप्ता, डॉ. प्रीती, डॉ. कमलेश दुबे, डॉ. नेहा, डॉ. पोरवी सिंह, डॉ. स्नेहा, डॉ. स्नेहिल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

'नो किंग्स', दुनिया भी कहे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय अपने ही देश में गंभीर राजनीतिक संकट का सामना कर रहे हैं। उनके खिलाफ 'नो किंग्स' के बैनर तले व्यापक विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। ये प्रदर्शन केवल आम जनता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सांसद और राजनीतिक नेता भी सड़कों पर उतर आए हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3500 से अधिक स्थानों पर लगभग 80 लाख लोग सड़कों पर उतरकर ट्रंप के इस्तीफ़े की मांग कर रहे हैं। इन विरोध प्रदर्शनों का मुख्य कारण ट्रंप की कथित अधिनायकवादी नीतियां हैं।

अमेरिका के भीतर चल रहे विरोध प्रदर्शन यह दर्शाते हैं कि जनता अब अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। वहीं, ईरान युद्ध ने यह साबित कर दिया है कि किसी भी सैन्य संघर्ष के परिणाम केवल एक देश तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करते हैं। इसलिए, समय की मांग है कि वैश्विक समुदाय एकजुट होकर शांति, संवाद और सहयोग का मार्ग अपनाए।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ट्रंप लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रहे हैं और सत्ता का केंद्रीकरण कर रहे हैं। यह विरोध अब केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ब्रिटेन और यूरोप के कई देशों तक फैल चुका है, जो इस बात का संकेत है कि यह मुद्दा वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल द्वारा किया गया हमला भी इन विरोधों का एक प्रमुख कारण है। इस युद्ध को कई विश्लेषक तानाशाही प्रवृत्ति का उदाहरण मान रहे हैं।

युद्ध को एक महीना बीत चुका है और इसके परिणाम बेहद चिंताजनक हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के सर्वेक्षण के अनुसार, इस युद्ध के कारण 4.5 करोड़ से अधिक लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। अब तक के अनुमान बताते हैं कि इस युद्ध में 4500 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 10 लाख लोग बेघर हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक जीडीपी में 2 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। अमेरिका और इजरायल के भीतर भी जनता अपने-अपने नेताओं–ट्रंप और नेतन्याहू–का कड़ा विरोध कर रही है। यह विरोध लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक स्वस्थ संकेत माना जा सकता है। वास्तव में, लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने नेताओं से जवाबदेही मांग सके। दोनों नेताओं पर यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि वे चुनावों से पहले अपनी गिरती लोकप्रियता को सुधारने के लिए युद्ध का सहारा ले रहे हैं। पेंटागन के अनुमान के अनुसार, केवल एक महीने के युद्ध में अमेरिका को लगभग 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। वहीं, आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान को 15-20 लाख करोड़ रुपये और खाड़ी देशों को लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके बावजूद, ट्रंप लगातार सैन्य गतिविधियों को बढ़ा रहे हैं। वे विमानवाहक पोत, मरीन कमांडो, सैनिक और लड़ाकू विमान ईरान की ओर भेज रहे हैं और बमबारी जारी है। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है और जमीनी युद्ध की संभावना भी उत्पन्न हो सकती है। एक महीने के भीतर अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर 10,000 से अधिक हमले किए हैं और उसके लगभग 66 प्रतिशत सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि ईरान कब तक इस युद्ध को जारी रख पाएगा और उसके पास कितने संसाधन बचे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में इस युद्ध के वैश्विक प्रभावों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के कारण ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है। तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो रही है, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ रही है और सप्लाई चेन पर गंभीर असर पड़ रहा है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। भारतीय विशेषज्ञों के अनुसार, देश में तेल और गैस की मांग 20 इकाई है, जबकि आपूर्ति केवल 10 इकाई तक सीमित हो गई है। यदि यह स्थिति बनी रहती है, तो भविष्य में गंभीर ऊर्जा संकट उत्पन्न हो सकता है। खाड़ी देशों में तेल और गैस के ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले 4-5 वर्षों तक आपूर्ति सामान्य स्तर पर नहीं लौट पाएगी। भारत के लिए मध्य-पूर्व क्षेत्र सबसे उपयुक्त स्रोत है, क्योंकि वहां से आपूर्ति 2-4 दिनों में संभव होती है। अन्य देशों से आपूर्ति में 40-45 दिन का समय लग सकता है, जो व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में भारत को अपनी ऊर्जा रणनीति पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना एक महत्वपूर्ण विकल्प हो सकता है। इससे न केवल तेल पर निर्भरता कम होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। यह भी सुझाव दिया गया है कि विश्व के अन्य देशों को इस स्थिति के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। यूरोप, एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। हालांकि, अब केवल प्रस्ताव पारित करने का समय नहीं है, बल्कि ठोस और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। यह संघर्ष केवल कूटनीतिक या राजनीतिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। इसलिए, सभी देशों को अहिंसक लेकिन सशक्त आंदोलन के माध्यम से इस स्थिति का विरोध करना चाहिए। यह विरोध किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि उन नीतियों और नेताओं के खिलाफ होना चाहिए, जो वैश्विक शांति को खतरे में डाल रहे हैं। यह स्पष्ट है कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य अत्यंत जटिल और चिंताजनक है। अमेरिका के भीतर चल रहे विरोध प्रदर्शन यह दर्शाते हैं कि जनता अब अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। वहीं, ईरान युद्ध ने यह साबित कर दिया है कि किसी भी सैन्य संघर्ष के परिणाम केवल एक देश तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करते हैं। इसलिए, समय की मांग है कि वैश्विक समुदाय एकजुट होकर शांति, संवाद और सहयोग का मार्ग अपनाए। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर हो सकते हैं।

युद्ध की विभीषिका झेलता आम आदमी

डा. अश्विनी महाजन

भारत जैसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर युद्ध का असर नकारात्मक ही पड़ता है। सबसे पहले तेल की कीमतें बढऩे से विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन बढ़ जाता है और विदेशी मुद्रा भंडार कम हो जाते हैं। दूसरे, बढ़ते आयात बिल और संस्थागत निवेशकों द्वारा पूंजी के बहिर्गमन के कारण स्थानीय मुद्रा का अवमूल्यन हो जाता है। गौरतलब है कि युद्ध के पिछले लगभग तीन सप्ताह में रुपए का मूल्य डॉलर के मुकाबले लगभग 3.0 प्रतिशत घट चुका है, और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। तीसरे मुद्रास्फीति से निजात दिलाने के लिए सरकारों को ऊर्ज़ा, खाद्य पदार्थों और उर्वरकों पर अधिक सब्सिडी देनी पड़ती है या कर कम करने पड़ते हैं। ऐसे में सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है जिसका सीधा असर दोबारा से मुद्रास्फीति पर पड़ता है जिसका खामियाजा आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है।

पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से अमरीका और इजराइल द्वारा ईरान पर हुए हमलों के बाद, जहां एक ओर इस युद्ध की आग 20 देशों तक फैल चुकी है, जिसकी वजह से हजारों जानें तो गई ही हैं, बड़ी मात्रा में तेल और गैस के भंडार भी नष्ट हुए हैं, भारी मात्रा में संपत्ति का भी नुकसान हुआ है, साथ ही पूरा विश्व ही समुद्री मार्गों के बाधित होने के कारण फिलहाल तो तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि से भी जूझ रहा है। वैश्विक एजेंसियों की मानें तो युद्ध के कारण दुनिया में मुद्रास्फीति, गरीबी और खाद्य असुरक्षा भयंकर रूप से बढ़ सकती है। साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, जहाजरानी लागतों में वृद्धि और महत्वपूर्ण कम्पोनेंट्स की उपलब्धता में कमी के चलते वैश्विक आपूर्ति आघात, अर्थव्यवस्थाओं में अफरा-तफरी मचा सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह युद्ध अमरीका की तेल भंडारों पर पकड़ बनाने की महत्वाकांक्षा के कारण हो रहा है, हालांकि पहले तो यह कहा गया कि ईरान आणविक हथियार बना रहा है और इसके कारण अमरीका और विश्व की शांति भंग हो सकती है, लेकिन अब अमरीकी प्रशासन के लोग भी यह कहने लगे हैं कि अमरीका ने बिना वजह इस युद्ध को छेड़ा है। वे इजरायल को युद्ध भडक़ाने के लिए दोषी ठहरा रहे हैं। लेकिन समझना होगा कि पहले तो वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी कर उसे अमरीका लाया जाना, और अब ईरान पर हमला करना, विशेषज्ञ ऐसा मानते हैं कि यह सब दुनिया के तेल भंडारों पर अमरीका के काबिज होने की कोशिश का यह संकेत है। अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी रायटर का यह कहना है कि इससे पहले इराक में सत्ता परिवर्तन के माध्यम से वहां के तेल भंडारों पर भी अमरीका का लगभग कब्जा हो चुका है। दुनिया में अपनी धौंस जमाने के लिए इस प्रकार से युद्ध थोपना अवांछनीय है।

महंगाई का खतरा : यूं तो कोई भी जंग महंगाई को बढ़ाने का कारण बनती है, लेकिन दुनिया की अधिकांश कच्चे तेल और गैस की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले खाड़ी के देशों के इस जंग में शामिल होने के कारण स्वाभाविक तौर पर तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई तो बढ़ती ही है, समुद्र के रास्ते सामान की आवाजाही में आने वाले अवरोधों के कारण साजोसामान की कमी के चलते भी महंगाई बढ़ती है। युद्ध जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, यह समस्या भीषण रूप लेती जा रही है। महंगाई के कारण घटती क्रय शक्ति, आवश्यक वस्तुओं की कमी और सरकारों द्वारा उसे वहन करने की शक्ति कम होने पर सामाजिक अशांति का भी खतरा बढ़ सकता है। समझा जा सकता है कि युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई आवश्यक वस्तुओं की कमी और यदि उसके कारण सामाजिक अशांति फैलती है तो उसका सीधा सीधा खामियाजा आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है।

वित्तीय बाजारों में खलबली : युद्ध के हालात में निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर हो जाता है। व्यवसायों में विश्वास डगमगाता है और अनिश्चितता फैलती है। ऐसे में शेयरों और बांडों में निवेश की बजाय लोग ज्यादा सोना, चांदी खरीदने लगते हैं। स्वाभाविक तौर पर शेयर बाजार गिरने लगते हैं। भारत की बात करें तो युद्ध के समय से लेकर अभी तक मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 7 प्रतिशत से अधिक गिर चुका है। वैश्विक बाजारों की बात करें तो वहां भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। शेयर बाजार में गिरावट का भी सीधा सीधा असर आम आदमी पर ही पड़ता है। एक तरफ उसके पोर्टफोलियो का मूल्य कम हो जाता है और साथ ही साथ पेंशन फंडों द्वारा शेयर बाजारों में निवेशित धन का मूल्य भी कम हो जाता है।

अर्थव्यवस्थाओं पर युद्ध का असर : सामान्यतः भारत जैसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर युद्ध का असर नकारात्मक ही पड़ता है। सबसे पहले तेल की कीमतें बढऩे से विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन बढ़ जाता है और विदेशी मुद्रा भंडार कम हो जाते हैं। दूसरे, बढ़ते आयात बिल और संस्थागत निवेशकों द्वारा पूंजी के बहिर्गमन के कारण स्थानीय मुद्रा का अवमूल्यन हो जाता है। गौरतलब है कि युद्ध के पिछले लगभग तीन सप्ताह में रुपए का मूल्य डॉलर के मुकाबले लगभग 3.0 प्रतिशत घट चुका है, और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। तीसरे मुद्रास्फीति से निजात दिलाने के लिए सरकारों को ऊर्ज़ा, खाद्य पदार्थों और उर्वरकों पर अधिक सब्सिडी देनी पड़ती है या कर कम करने पड़ते हैं। ऐसे में सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है जिसका सीधा असर दोबारा से मुद्रास्फीति पर पड़ता है जिसका खामियाजा आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है। यही नहीं कि केवल विकासशील अर्थव्यवस्थाएं ही प्रभावित होंगी, विकसित देश भी इससे अछूते नहीं रहेंगे। स्वयं अमरीका में भी आने वाले समय में भारी मंदी की आशंका व्यक्त की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज का कहना है कि इस बात की 49 प्रतिशत आशंका है कि अमरीका अगले 12 महीनों में मंदी का शिकार हो जाएगा और उसे रोक पाना कठिन होगा। इसके पीछे बढ़ती तेल कीमतें, युद्ध के कारण अवरुद्ध अंतरराष्ट्रीय मार्ग, बताई जा रही हैं, एक तरफ रोजगारविहीन आर्थिकी संवृद्धि और दूसरी ओर युद्ध के कारण बढ़ती कीमतों के चलते अमरीका का मंदी में जाना लगभग तय माना जा रहा है।

बाधित हो सकती है खाद्य सुरक्षा : दुनिया में खाद्य पदार्थों का उत्पादन सभी देशों में इस जैसा नहीं है कि हर देश अपनी खाद्य सुरक्षा स्वयं कर सके। ऐसे में इन देशों को खाद्य निर्यातक देशों से आयात पर निर्भर होना पड़ता है। युद्ध के कारण वस्तुओं के आवागमन में बाधा आती है जिसके चलते खाद्य पदार्थों के आयात पर निर्भर देशों में खाद्य सुरक्षा का संकट खड़ा हो जाता है। खाद्य असुरक्षा और खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि आदि का सीधा असर भी आम आदमी पर ही पड़ता है। हालांकि भारत अपनी खाद्य आवश्यकताओं के लिए अधिकांशतः आत्मनिर्भर है, लेकिन इसके बावजूद तेलों और दालों के मामले में आयात पर निर्भरता बनी हुई है। इन वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि भी आम आदमी के जीवन पर प्रतिकूल असर डाल सकती है।

विकास पर प्रतिकूल प्रभाव : लंबे समय में, युद्ध के कारण व्यापार में रुकावटों और बढ़ती अनिश्चितता के कारण निवेश कम हो जाता है, जिससे वैश्विक जीडीपी की वृद्धि धीमी हो जाती है। दूसरे, युद्ध और पुनर्निर्माण पर बढ़ा हुआ खर्च सरकारों को ज्यादा कर्ज लेने के लिए बाध्य करता है, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी कर्ज बढ़ जाता है और भविष्य में वित्तीय दबाव पैदा होता है। तीसरे, युद्ध के कारण तकनीकी बदलावों की दिशा रक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों की ओर मुड़ जाती है। इससे इनोवेशन को बढ़ावा तो मिलता है, लेकिन इसके साथ ही संसाधनों को सामाजिक और विकासात्मक क्षेत्रों से हटाकर दूसरी तरफ लगाना पड़ता है। कुल मिलाकर, युद्ध आर्थिक प्राथमिकताओं को बदल कर संतुलित तथा टिकाऊ वैश्विक विकास को कमजोर कर सकता है। आज सबसे जरूरी काम वैश्विक शांति को बहाल करना और यह सुनिश्चित करना है कि विकास में कोई रुकावट न आए। कोविड के बाद, वैश्विक विकास दर, जो अभी 2.5 प्रतिशत से 3.0 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, अभी तक कोविड-पूर्व के 3.5 प्रतिशत से 4.0 प्रतिशत के स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। ऐसा माना जा रहा है कि युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक संवृद्धि की दर 0.2 प्रतिशत से 1.0 प्रतिशत तक और कम हो सकती है। युद्ध की विभीषिकाओं के चलते एक तरफ जान-माल का विध्वंस तो दूसरी ओर आम आदमी के लिए विकास दर में गिरावट, महंगाई, बेरोजगारी और खाद्य असुरक्षा विश्व के लिए किसी भी प्रकार से मंगलकारी नहीं हो सकती। विश्व के तमाम देशों को युद्ध की समाप्ति के लिए अपने प्रयास बढ़ाने होंगे।

मूर्ख दिवस: तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं।

मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए।

किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

महिला सुरक्षा का सही रास्ता क्या है?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को लेकर बहस कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या महिलाओं को दी गई आधुनिक स्वतंत्रता वास्तव में उनके लिए लाभकारी है या उन्हें शोषण के अधिक जोखिम में डाल रही है। हाल की घटनाओं और उन पर समाज की प्रतिक्रिया को देखते हुए यह बहस फिर तेज हो गई है। कुछ लोग मानते हैं कि महिलाओं की बढ़ती स्वतंत्रता ही उनके शोषण का कारण बन रही है, जबकि अन्य इसे एक संकीर्ण और गलत दृष्टिकोण मानते हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि इस विषय को भावनाओं के बजाय तर्क, तथ्यों और संतुलित दृष्टि से समझा जाए।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि शोषण का मूल कारण क्या है। क्या वास्तव में किसी महिला का पढ़ा-लिखा होना, आत्मनिर्भर होना या स्वतंत्र रूप से जीवन जीना उसके शोषण का कारण बन सकता है? इसका सीधा और स्पष्ट उत्तर है- नहीं। शोषण का कारण हमेशा उस व्यक्ति की मानसिकता होती है जो अपराध करता है। जब कोई व्यक्ति किसी महिला के साथ गलत व्यवहार करता है तो उसकी जिम्मेदारी केवल और केवल उसी व्यक्ति की होती है। इसे महिला स्वतंत्रता या उसके व्यवहार से जोड़ना न केवल गलत है बल्कि यह पीड़िता को ही दोषी ठहराने जैसा है।

समाज में एक धारणा यह भी है कि यदि महिलाएं पिता, भाई या पति की निगरानी में रहें तो वे अधिक सुरक्षित रहती हैं। यह विचार पारंपरिक सोच से उत्पन्न हुआ है, जहां सुरक्षा और नियंत्रण को एक ही माना गया। लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां महिलाओं के साथ शोषण उनके परिचितों या परिवार के भीतर ही हुआ है। इसका अर्थ यह है कि केवल निगरानी या नियंत्रण सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकता। सुरक्षा का संबंध व्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने से नहीं बल्कि समाज में न्याय, कानून और जागरूकता की मजबूती से है। यह भी कहा जाता है कि महिलाएं स्वभाव से भावुक होती हैं और इसी कारण वे आसानी से किसी के प्रभाव में आ जाती हैं। हालांकि यह आंशिक रूप से सही हो सकता है कि महिलाएं भावनात्मक रूप से अधिक अभिव्यक्त होती हैं लेकिन इसे उनकी कमजोरी मान लेना बड़ी भूल है। भावनाएं मानव स्वभाव का हिस्सा हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला।

असल समस्या तब उत्पन्न होती है जब कोई व्यक्ति इन भावनाओं का गलत फायदा उठाता है। इसलिए समाधान यह नहीं है कि महिलाओं की भावनाओं को दबा दिया जाए या उनकी स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए बल्कि यह है कि समाज में ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए जो दूसरों का शोषण करते हैं। आधुनिक समाज में महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और अपने निर्णय लेने का अधिकार मिला है। यह एक सकारात्मक परिवर्तन है, जिसने उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियां भी आई हैं। स्वतंत्रता का सही उपयोग करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यह केवल महिलाओं पर ही नहीं, बल्कि पुरुषों पर भी लागू होता है। यदि कोई व्यक्ति गलत निर्णय लेता है, तो उसका परिणाम उसे भुगतना पड़ सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि स्वतंत्रता ही गलत है। स्वतंत्रता का दुरुपयोग और स्वतंत्रता स्वयं- दोनों में अंतर समझना आवश्यक है। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि पहले के समय में महिलाएं अधिक सुरक्षित थीं क्योंकि वे घर की चारदीवारी में रहती थीं। लेकिन यह धारणा भी पूरी तरह सही नहीं है। उस समय भी महिलाओं के साथ अन्याय और शोषण होता था लेकिन वे आवाज नहीं उठा पाती थीं। आज के समय में कम-से-कम महिलाएं अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, अपनी बात कह सकती हैं और न्याय की मांग कर सकती हैं। यह बदलाव समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत है। रेप और अन्य अपराधों के बढ़ते आंकड़े निश्चित रूप से चिंता का विषय हैं। लेकिन इनका कारण महिलाओं की स्वतंत्रता नहीं बल्कि अपराधियों की मानसिकता, कानून का कमजोर क्रियान्वयन और समाज में व्याप्त गलत सोच है। यदि किसी समस्या का समाधान खोजना है तो उसके वास्तविक कारणों को समझना होगा। महिलाओं की स्वतंत्रता को सीमित करना समस्या का समाधान नहीं है बल्कि यह एक तरह से समस्या से भागने जैसा है। इसके विपरीत, हमें ऐसे समाज की कल्पना करनी चाहिए जहां महिलाएं सुरक्षित भी हों और स्वतंत्र भी। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में लैंगिक समानता और सम्मान के मूल्यों को शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाना चाहिए कि हर व्यक्ति का सम्मान करना जरूरी है। दूसरा, कानून व्यवस्था को मजबूत करना होगा ताकि अपराधियों को जल्द और सख्त सजा मिल सके। तीसरा, महिलाओं को आत्मरक्षा और आत्मविश्वास के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि वे किसी भी स्थिति का सामना कर सकें। इसके अलावा, मीडिया और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। महिलाओं को केवल एक वस्तु के रूप में प्रस्तुत करना या उनके चरित्र पर सवाल उठाना बंद करना होगा। समाज को यह समझना होगा कि महिला की गरिमा उसके कपड़ों, उसके व्यवहार या उसके निर्णयों से नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व से जुड़ी होती है।

यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाओं की स्वतंत्रता और उनकी सुरक्षा- दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। किसी एक को दूसरे के खिलाफ खड़ा करना गलत दृष्टिकोण है। हमें ऐसा संतुलन बनाना होगा, जहां महिलाएं अपने अधिकारों का पूरी तरह से उपयोग कर सकें और साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार के शोषण का डर न हो। समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उसमें हर व्यक्ति- चाहे वह पुरुष हो या महिला-सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सके। महिलाओं को निगरानी में रखने के बजाय उन्हें सशक्त बनाना ही सही दिशा है। यही एक ऐसा रास्ता है, जो न केवल महिलाओं के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकता है।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धक: आस्था श्रीवास्तव, मोबाइल: 9415089955

बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित कर स्कूल चलो अभियान का हुआ आगाज

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। नया शिक्षा सत्र की शुरूआत होते ही शासन-प्रशासन का पूरा ध्यान 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को स्कूलों से जोड़ने की ओर हो गया है। इसी क्रम में जल शक्ति राज्यमंत्री ने बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित करते हुए स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने उन्होंने छूटे हुए बच्चों का विद्यालयों में शत-प्रतिशत दाखिला कराने तथा बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए बालिकाओं का शत-प्रतिशत नामांकन कराने का आह्वान किया। इस मौके पर उन्होंने आईआईटी गांधीनगर (गुजरात) में आयोजित राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत प्रतिभाग करने वाले दो बच्चों को सम्मानित किया।

कलक्ट्रेट स्थित महर्षि वामदेव सभागार में बुधवार को भव्य समारोह के बीच स्कूल चलो अभियान का जिले में आगाज हुआ। जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित करते हुए अभियान का शुभारंभ किया। कहा कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों का अधिक से अधिक विद्यालयों में नामांकन कराना है। उन्होंने छूटे बच्चों का विद्यालयों में दाखिला कराने तथा बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए बालिकाओं का शत प्रतिशत नामांकन विद्यालयों में कराने का आह्वान किया। बताया कि प्राथमिक विद्यालयों में सरकार विशेष सुविधाएं दे रही है। आपरेशन कायाकल्प के तहत प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा के स्तर में सुधार हुआ है। आंगनबाडी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को प्राइमरी शिक्षा दिलाने के लिए प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश दिलाये जाने पर जोर दिया। कहा कि विद्यालयों में शिक्षा के लिए कोई भी ड्राप आउट बच्चा पंजीकरण से छूटने न पाए। विद्यालयों में बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के साथ निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, ड्रेस, मिड-डे मील सहित अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। इस मौके पर राज्यमंत्री ने पिछले दिनों आईआईटी गांधीनगर (गुजरात) में आयोजित राष्ट्रीय आविष्कार अभियान में प्रतिभाग करने वाले निशांसी व कृष्णा को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र दकर सम्मानित किया। स्कूल चलो अभियान के तहत जल शक्ति राज्यमंत्री ने पहली से कक्षा 8 तक के बच्चों को निःशुल्क पाठ्य सामग्री बैग, पुस्तकें, टिफिन बाक्स, पानी की बोतल वितरित की। इसमें कक्षा-1 की मुस्कान, शिवा, कक्षा-2 में नित्या, कक्षा-3 में पायल, सोम्या, कक्षा-4 में अजय, अंबिया, कक्षा-6 में खुशी, अनीता, कक्षा-7 मी मनीषा एवं निशा, कक्षा-8 में आस्था एवं स्नेहा आदि बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक सामग्री वितरित की। कार्यक्रम में स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत बच्चों को स्कूल जाने के लिए प्रेरित करने को कठपुतली के माध्यम से स्कूल जाने को प्रेरित किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल, डीएम जे.रीभा, सीडीओ अजय पांडेय, बीएसए अव्यक्तराम तिवारी समेत तमाम शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

नपा चेयरमैन ने संचारी रोग जागरूकता रैली को झंडी दिखाकर किया रवाना

- संचारी रोग नियंत्रण अभियान का जिले में हुआ जोरदार आगाज
- आशा, आंगनबाड़ी व स्वास्थ्य कर्मियों को डीएम ने दिलाई शपथ

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। संचारी रोगों की रोकथाम और जन-जागरूकता के लिए विशेष अभियान का जोरदार आगाज हुआ। नगर पालिका परिषद चेयरमैन ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर से जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने आशाओं, आंगनवाडी कार्यकर्ता समेत स्वास्थ्य कर्मियों व पूरे स्टाफ को संचारी रोग नियंत्रण की शपथ दिलाई।संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का उद्घाटन नगर पालिका परिषद चेयरमैन ने बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में आशाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व पूरे स्टाफ को शपथ दिलाते हुए फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा.बिजेंद्र सिंह ने बताया कि जिले भर में अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। कहा कि संचारी रोग जैसे मलेरिया, फाइलेरिया, डेगू, टीबी, कुष्ठ रोग, डायरिया आदि वायरस व बैक्टीरिया के कारण होने वाली बीमारियां हैं। यह रोग मच्छर, मक्खी, पशुओं व गंदगी के कारण फैलते है। साथ ही कूडा निस्तारण, नालियों की सफाई, स्वच्छ जल की उपलब्धता, खुले में शौच, शौच के बाद व खाना खाने से पहले साबुन से हाथ धोना, जल जमाव की परिस्थिति को समाप्त, घरेलू पात्रों में एक सप्ताह से अधिक पानी एकत्रित न होने देना, नियमित सफाई, घर वा घर के आसपास तथा नालियों से गंदगी व झाडी हटाना, इंडिया मार्का हैंडपंप का पानी पीने के लियें प्रयोग करना, यदि साफ पानी उपलब्ध न हो तो पानी को उबालकर प्रयोग करने के बारे में जागरूक किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग, क्लोरिनेशन डेमों, पेयजल उबालना कर पीने तथा कृंतक (चूहा, छछूदर) नियंत्रण के प्रभावी एवं सुरक्षित उपाय बताकर निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सेवानिवृत्त एनसीसी अधिकारी को दी समारोह पूर्वक विदाई

- बटालियन में आयोजित हुआ भव्य सम्मान समारोह

प्रभात समय संवाददाता

अतर्रा। बटालियन में आयोजित भव्य सम्मान समारोह के दौरान अधिवर्षता आयु पूरी कर सेवानिवृत होने वाले एनसीसी अधिकारी को भावभीनी विदाई दी गई। कमान अधिकारी ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए समर्पित, नेतृत्व कौशल और कर्मठ कार्यो से भरा बताया।

कस्बा स्थित हिंदू इंटर कालेज में अपनी सेवा के 26 वर्ष पूरे करने के बाद हिंदू इंटर कॉलेज के एनसीसी अधिकारी चीफ ऑफिसर संतोष द्विवेदी बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर एनसीसी बटालियन फतेहपुर में बुलाकर सम्मान के साथ विदाई दी गई। बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल बृजेश पठानिया ने उनके कार्यकाल को सराहना की। कहा कि सेवानिवृत्त एनसीसी अधिकारी का कार्यकाल समर्पित, नेतृत्व कौशल और कर्मठ कार्यों से भरा है। बताया उन्होंने वर्ष 2000 में एनसीसी ज्वाइन की थी। उनको प्रदेश स्तर का बेस्ट एनसीसी अधिकारी अवार्ड तथा राष्ट्रीय स्तर का विशिष्ट सेवा पदक एनसीसी के सर्वोच्च अधिकारी एनसीसी महानिदेशक जनरल गुरबीर पाल सिंह ने प्रदान किया था। तमाम एनसीसी कैडेट सेना तथा अन्य क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। इस अवसर पर बटालियन के एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल योगेंद्र चिन्मय, बटालियन के सूबेदार मेजर, सूबेदार विष्णु थापा, लेफ्टिनेंट शरद चंद्र राय, कैप्टन धर्मेंद्र सिंह, धीरज राठौर, लेफ्टिनेंट राम प्रसाद, आलोक कुमार सहित बटालियन के सभी एनसीसी अधिकारी, समस्त पीआई स्टाफ, सिविल स्टाफ उपस्थित रहा।

स्थापना दिवस धूमधाम से मनाएगी भाजपा : जनार्दन तिवारी

प्रभात समय संवाददाता

गोरखपुर। बुधवार को रानीडीहा स्थित भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी की अध्यक्षता में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर तैयारी बैठक की गयी, जहाँ पर जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी ने आगामी 06 अप्रैल को पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा कार्यकर्ताओं के बीच साझा की। कहा कि जिला के सभी बूथों पर स्थापना दिवस पूरे उत्साह एवं संगठनात्मक सक्रियता के साथ मनाया जायेगा।

जिलाध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि 5, 6 एवं 7 अप्रैल को पार्टी के सभी मण्डल, जिला एवं अन्य कार्यालयों को फूलों, स्वदेशी लाइटिंग एवं रंगोली से सजाया जायेगा। 06 अप्रैल को सभी कार्यालयों पर पार्टी का ध्वज फहराया जाएगा तथा मिष्ठान वितरण किया जाएगा। साथ ही कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर भी पार्टी का ध्वज लगाकर स्थापना दिवस को उत्सव के रूप में मनायेंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बूथ पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के

चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी तथा भाजपा की विचारधारा और केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। कार्यकर्ता घर-घर जाकर ध्वज लगाने का अभियान भी चलाएंगे।

तिवारी ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत 6 व 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर संगोष्ठियों का आयोजन होगा। वहीं 7 से 12 अप्रैल तक गाँव-बस्ती संपर्क अभियानङ्क चलाया जायेगा, जिसके तहत जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी गाँवों में स्वच्छता अभियान चलायेंगे, लाभार्थियों से संपर्क करेंगे। केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे तथा बुद्धिजीवियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 8 व 9 अप्रैल को जिला स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें संगठन विस्तार, भाजपा की विचारधारा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

कार्यक्रम को निवर्तमान जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष वंश बहादुर सिंह ने भी संबोधित किया। संचालन जिला उपाध्यक्ष जगदीश चौरसिया ने किया।

इस अवसर पर पिपराइच विधायक महेंद्रपाल सिंह, चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार शुक्ला, छोटेलाल मौर्य, संजय सिंह, जिला महामंत्री ब्रह्मानंद शुक्ल, डॉ. आर.डी. सिंह, महंत सिंह, सबल सिंह, राजाराम कनौजिया, चंचला शुक्ला, दुर्गेश दुबे, विनय सिंह, स्वतंत्र सिंह, डा सदानन्द शर्मा, रामानंद यादव, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, राम उजागिर शुक्ल, नरेंद्र सिंह, केबी सिंह, उपेन्द्र गौड़ सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

12.55 करोड़ रुपए की लागत से पांच संपर्क मार्गों का होगा कायाकल्प

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। क्षेत्रीय विधायक व जलशक्ति राज्यमंत्री के प्रयास से निर्वाचन क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों को नए आयाम मिल रहे हैं। उनके अथक प्रयास से बुंदेलखंड विकास निधि के तहत 12.55 करोड़ रुपये की लागत से तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र के पांच संपर्क मार्गो का कायाकल्प होगा। राज्यपाल की संस्तुति के बाद संपर्क मार्गों के निर्माण को लेकर संबंधित विभाग को धनराशि आवंटित कर दी गई। जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने बताया कि भुजरख से मवई बलिदाद तक संपर्क मार्ग लगभग तीन करोड़ नौ लाख 98 हजार की लागत से संपर्क बनेगा। गुगौली से बदरहा बाबा होते हुए पलरा तक संपर्क मार्ग दो करोड़ चौदह लाख बारह हजार रूपए, खैराडा से वंशीपुर संपर्क मार्ग पर दो करोड़ उन्नीस लाख उंचास हजार रुपये की लागत से संपर्क मार्ग का कायाकल्प होगा। पचनेही गांव से एयरटेल टावर होते हुए बांदा-तिंदवारी-फतेहपुर मार्ग एक करोड़ पंचानवे लाख तीन हजार की लागत से सड़क बनेगी। आबादी से गरौती संपर्क मार्ग एक करोड़ अठारह लाख चालीस हजार रुपए की लागत से सड़क का निर्माण होगा। बताया कि विधानसभा क्षेत्र में हरेक गांवों व मजरों तक सड़कों का जाल बिछाने का काम लगातार जारी रहेगा। ऐसे ही नरैनी क्षेत्र में भी कई संपर्क मार्गों के निर्माण को शासन की हरी झंडी मिल गई है। क्षेत्रीय विधायक ओममणि वर्मा के अथक प्रयास से शासन ने संपर्क मार्गों के निर्माण कार्य के लिए वित्तीय स्वीकृत प्रदान कर दी। सभी संपर्क मार्ग बुंदेलखंड विकास निधि योजना के तहत बनाए जाएंगे। तहसील क्षेत्र के रिसौरा के मजरा पाड़ादेव पुरवा से होते हुए नदी की ओर सीसी रोड का निर्माण होगा। महुटा के मजरा पांडेय पुरवा संपर्क मार्ग, गौतम पुरवा से देवखेर संपर्क मार्ग, बिज्जू पुरवा से बिरौना रक्सी संपर्क मार्ग का निर्माण, अतर्रा क्षेत्र के बल्लान गांव के मजरा चक्की पुरवा तिराहे मोड़ से चेरा का पुरवा होते हुए बरिहा बाबा संपर्क मार्ग का निर्माण किया जाएगा।

ज्वॉइन करते ही एक्शन मोड में दिखे एसपी ट्रैफिक

- स्थलीय भ्रमण कर लिया यातायात व्यवस्था का जायजा

प्रभात समय संवाददाता

गोरखपुर। नवागत एसपी ट्रैफिक अमित कुमार श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण करते ही सक्रियता दिखानी शुरू कर दी है। ज्वाइन करने के तुरंत बाद उन्होंने रोडवेज क्षेत्र का स्थलीय भ्रमण किया और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सड़क पर मौजूद ट्रैफिक व्यवस्था, जाम की स्थिति, अवैध पार्किंग, ई-रिक्शा और ऑटो संचालन समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसपी ट्रैफिक ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पूरी गंभीरता के साथ कार्य किया जाए। खासकर रोडवेज और आसपास के भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाम की

समस्या पर प्रभावी नियंत्रण रखने पर जोर दिया गया।

इसके बाद नवागत एसपी ट्रैफिक ने टीआई और टीएसआई के साथ बैठक भी की। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि ड्यूटी में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर चौराहे व संवेदनशील पॉइंट पर ट्रैफिक प्रबंधन प्रभावी रूप से दिखाई देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आम जनता को सड़क पर किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए फील्ड में रहकर काम करना होगा। साथ ही यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने, अवैध अतिक्रमण और गलत पार्किंग पर कार्रवाई करने तथा प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए विशेष रणनीति अपनाने के निर्देश दिए गए। नए एसपी ट्रैफिक के इस एक्शन मोड को देखते हुए यह साफ माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सख्ती और सुधार दोनों देखने को मिल सकते हैं।

क्विक न्यूज

महिला बंदीरक्षक ने जहर खाकर जान दी

बांदा। झांसी जिले के डडिया पुरवा नारायण बाग शिवाजी नगर निवासी भारती पाल (30) पुत्री लखन पाल ने मंगलवार की दोपहर ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने सरकारी आवास में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर सहकर्मियों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर हालत होने पर उसे रानी दुर्गावती मेंडिकल कालेज रेफर कर दिया। यहां उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता ने बताया कि भारती पाल की वर्ष 2021 में बंदी रक्षक के पद पर भर्ती हुई थी। पहली पोस्टिंग बांदा के मंडल कारागार में हुई थी। वह माईग्रेन (सिरदर्द) से परेशान थी। उसका झांसी में इलाज चल रहा था। बताया कि बीमारी से परेशान होकर जहर खाकर जान दे दी। दो सदस्यीय चिकित्सकों डा.देवेश माथुर, डा.विकास दीप बिल्हाटिया के पैनल ने वीडियो ग्राफी के साथ शव का पोस्टमार्टम किया।

तेज आंधी में पेड़ टूटकर गिरने से किसान की दबकर मौत

बांदा। गिरंवा थाना क्षेत्र के महुआ गांव निवासी रज्जू (66) पुत्र केशना सोमवार की रात आई आंधी और बारिस के दौरान तालाब के भीटे में लगा यूकेलिप्टिस का पेड़ छानी के ऊपर जा गिरा। रज्जू की पेड़ कर टूटकर ऊपर आ गिरने से उसकी दबकर मौत हो गई। नजदीक में सो रही पत्नी राजाबाई और बेटी सपना बाल-बाल बचीं। थानाध्यक्ष गिरवां व चौकी प्रभारी खुरहंड विवेक त्रिपाठी मौके पर पहुंच गए। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस शव को बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भांजे लालबाबू ने बताया कि रज्जू किसानी करता था।

आंधी में चारपाई समेत उड़ा किसान, गंभीर घायल

बांदा। मटौंध थाना क्षेत्र के मरौली गांव निवासी मल्हे (65) पुत्र दुखी सोमवार की रात खेत में चारपाई में सो रहा था। इसी बीच तेज आंधी और बारिश से किसान चारपाई समेत उड़ कर काफी दूर जा गिरा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुत्र गुरूदयाल ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

आग से दो मासूम झुलसे

बांदा। देहात कोतवाली क्षेत्र के राम गुलाम पुरवा निवासी श्याम (4) पुत्र आनंद बुधवार की सुबह रसोई घर में खेल रहा था। तभी दूध से भरा गर्म भगोना उसके ऊपर आ गिरने से वह झुलस गया। इसी तरह बिसंडा थाना क्षेत्र के ओरन गांव निवासी दिव्यम (2) पुत्र सुरेश बुधवार की सुबह आग लगने से झुलस गया। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आज से बंद हो जाएगी अतर्रा-बिसंडा मार्ग रेलवे क्रासिंग

अतर्रा। बांदा-मानिकपुर रेल खंड पर रेल सेवाओं के आधुनिकीकरण और सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। कस्बा स्थित बिसंडा मार्ग स्थित रेलवे क्रासिंग (समपार फाटक संख्या 476) 2 अप्रैल (गुरुवार) से हमेशा के लिए बंद होगी। इसके स्थान पर अत्याधुनिक रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण किया जाएगा। रेल प्रशासन के इस कदम से जहां ट्रेनों के संचालन में तेजी आएगी, वहीं स्थानीय लोगों को लंबे समय से लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। निर्माण कार्य के दौरान आमजन को असुविधा से बचाने के लिए विभाग ने वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था भी की है। जारी डायवर्जन के अनुसार बिसंडा की ओर से आने वाले वाहन समपार फाटक संख्या 477 का उपयोग करते हुए राज्य भंडारण निगम के पास वाली सड़क से होकर राष्ट्रीय राजमार्ग-35 तक पहुंच सकेंगे। वहीं अतर्रा से बिसंडा जाने वाले वाहन हिंदू इंटर कॉलेज के पास स्थित समपार फाटक संख्या 475 का प्रयोग कर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। रेल प्रशासन के जनसंपर्क विभाग ने नागरिकों, वाहन चालकों और स्थानीय निवासियों से कहा है कि निर्माण कार्य के दौरान प्रशासन का सहयोग करें।

शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कारों का विकास होना बहुत जरुरी : दुर्गेश यादव

प्रभात समय संवाददाता

गोरखपुर। कुसम्ही बाजार क्षेत्र के ग्राम कुरमौल उर्फ बड़हरा स्थित आदर्श कन्या जूनियर हाईस्कूल में वार्षिकोत्सव एवं छात्र सम्मान समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को आकर्षक पुरस्कार, गोल्ड मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अभिभावक अपने बच्चों की शैक्षिक उपलब्धियों और विद्यालय की गुणवत्ता देखकर भाव-विभोर नजर आए। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों की मेहनत और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य

के प्रति समर्पण की सराहना की।

अभिभावक रामाश्रय निषाद और तबारक अली अंसारी ने कहा कि विद्यालय ने ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनके बच्चों के भविष्य को संवारने में यह संस्थान अमूल्य योगदान दे रहा है। मुख्य अतिथि दुर्गेश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों में संस्कारों का विकास भी किया जा रहा है, जो आज के समय में अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां कई विद्यालय शिक्षा को व्यवसाय बना रहे हैं, वहीं आदर्श विद्यालय शिक्षा और संस्कार दोनों में उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

विद्यालय के प्रबंधक युसूफ वहाब ने बताया कि शिक्षकों की मेहनत, अभिभावकों की जागरूकता और बच्चों की लगन का ही परिणाम है कि विद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने घोषणा की कि इस वर्ष प्राथमिक एवं जूनियर हाईस्कूल वर्ग के एक-एक टॉपर छात्र को विशेष रूप से साइकिल उपहार में दी गई, जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति और अधिक उत्साह देखने को मिला। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस प्रकार के प्रोत्साहन कार्यक्रम और बड़े स्तर पर जारी रहेंगे। कार्यक्रम में प्रत्येक कक्षा के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शिक्षक महाबीर प्रसाद, जय हिंद प्रसाद, रामचंद्र निषाद, संजीव चौरसिया, सर्वेश यादव, महफूज खान, अन्नू, अरशद हुसैन सहित महिला शिक्षिकाएं गीता शर्मा, राधिका यादव, ललिता पासवान, रागिनी मौर्य, अलीजा खान, जायरा, साहिस्ता खान, कर्मा भारती, अंजली यादव, अंशिका, रीन्की, पिंकी, शाह तिवारी, मोहम्मद रजी, नदीम समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने न केवल विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता को भी नई दिशा दी।

स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ, हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प

प्रभात समय संवाददाता

उरई। उत्तर प्रदेश के उरई मुख्यालय के बघोरा स्थित उच्च प्राथमिक कंपोजिट विद्यालय से बुधवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह एवं अपर जिलाधिकारी संजय कुमार के साथ संयुक्त रूप से 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ कर जनपद में शिक्षा की अलख जगाई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को पुस्तकें एवं स्कूल बैग वितरित कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया और अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की।

जिलाधिकारी ने कहा कि 01 अप्रैल 2026 से जनपद के सभी 1489 परिषदीय विद्यालयों में यह अभियान प्रारंभ कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत लगभग 14 हजार बच्चों के नामांकन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले ही दिन बघोरा विद्यालय में 40 बच्चों का नामांकन किया गया, जिससे बच्चों एवं अभिभावकों में उत्साह का वातावरण दिखाई दिया।

उन्होंने कहा कि अभियान के तहत ऐसे बच्चों को विशेष रूप से चिन्हित किया जा रहा है जो अभी तक शिक्षा से वंचित हैं, खासकर 8 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। साथ ही 6 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी बच्चों का विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए स्कूल प्रबंधन समितियों को घर-घर जाकर बच्चों की पहचान कर उनका नामांकन कराने की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं ड्रॉपआउट बच्चों को दोबारा विद्यालय से जोड़ने के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई है। यह अभियान 15 अप्रैल तक संचालित रहेगा तथा 30 अप्रैल को इसकी व्यापक समीक्षा की जाएगी। जनपद की साक्षरता दर 81.6 प्रतिशत बताते हुए जिलाधिकारी ने इसे और बेहतर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया और खंड शिक्षा अधिकारियों, उपजिलाधिकारियों, ग्राम प्रधानों सहित सभी संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि केवल नामांकन ही नहीं, बल्कि बच्चों की नियमित उपस्थिति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना भी प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी दौरान एक मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण भी सामने आया, जब जिलाधिकारी प्रातः जनसुनवाई कर रहे थे। रामनगर उरई निवासी नेत्रहीन पिता राम सिंह अपने 11 वर्षीय पुत्र ऋतिक के साथ सहायता के लिए पहुंचे। प्रार्थना पत्र में राशन एवं गैस सिलेंडर की आवश्यकता बताई गई।

बातचीत के दौरान जिलाधिकारी ने जब बालक से उसकी पढ़ाई के बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह स्कूल नहीं जाता। इस पर जिलाधिकारी ने तुरंत पहल करते हुए बालक ऋतिक को अपने साथ बघोरा स्थित विद्यालय ले जाकर माला पहनाकर उसका नामांकन कराया और उसे शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ दिया। यह संदेश दिया कि प्रशासन न केवल योजनाओं का क्रियान्वयन करता है, बल्कि जरूरतमंदों तक व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य भी करता है।

खाद्य कारोबारियों को बड़ी राहत, अब 1.5 करोड़ से कम टर्नओवर पर सिर्फ पंजीयन जरूरी

प्रभात समय संवाददाता

बरेली। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही खाद्य कारोबारियों के लिए नियमों में बड़ा बदलाव लागू हो गया है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाइसेंस और पंजीयन संबंधी मानकों में संशोधन किया है। यह नई व्यवस्था मंगलवार आधी रात से लागू कर दी गई।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अनुसार अब केवल उन खाद्य कारोबारियों को लाइसेंस लेना होगा, जिनका वार्षिक टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपये से अधिक है। इससे कम टर्नओवर वाले कारोबारियों को सिर्फ पंजीयन कराना होगा। पहले 12 लाख रुपये से अधिक वार्षिक टर्नओवर वाले कारोबारियों के लिए लाइसेंस अनिवार्य था।

नए नियमों का सबसे अधिक लाभ छोटे व्यापारियों, मिठाई दुकानदारों, डेयरी संचालकों, होटल और रेस्टोरेंट कारोबारियों को मिलेगा। जिनका कारोबार 1.5 करोड़ रुपये से कम है, उन्हें अब लाइसेंस लेने की जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। इसके अलावा स्ट्रीट वेंडरों को भी बड़ी राहत दी गई है। अब उन्हें खाद्य लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें केवल टाउन वेंडिंग कमेटी के माध्यम से नगर निकाय में पंजीयन कराना होगा।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, अक्षय गोयल ने बुधवार को बताया कि यह बदलाव नीति आयोग की सिफारिश पर गठित उच्च स्तरीय समिति की अनुशंसा के बाद किया गया है। इससे छोटे कारोबारियों पर अनुपालन का बोझ कम होगा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

क्विक न्यूज

तीन की मौत के मामले में ट्रक चालक गिरफ्तार, जेल

मीरजापुर। अहरौरा जमुई रोड पर रोशनहर गांव के पास हुए दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित ट्रक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब 11 बजे अहरौरा थाना क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर लिखनिया दरी मोड़ के पास से आरोपित चालक योगेंद्र सिंह (32) निवासी करमहरी, जिला कैमूर (बिहार) को गिरफ्तार किया गया। विवेचक राममूर्ति यादव ने बताया कि चालक घटना के बाद फरार होकर भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह सोनपुर स्थित क्रशर प्लांट से गिट्टी लादकर आ रहा था। रोशनहर गांव के पास अचानक बाइक सामने आ जाने से हादसा हो गया, जिसमें बाइक सवार मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। इधर, घटना के दूसरे दिन क्षेत्रीय विधायक रमाशंकर सिंह पटेल मृतक के घर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजन को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

पिकअप की टक्कर से किशोर की मौत, साथी गंभीर

मीरजापुर। चुनार कोतवाली क्षेत्र के कोठिलवा गांव के पास अज्ञात पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। शहर कोतवाली क्षेत्र के मलईबारी तरकापुर निवासी 17 वर्षीय मोहित बिंद पुत्र नन्हेलाल अपने गांव के ही आकाश बिंद पुत्र राजेश बिंद के साथ रामपुर शक्तेशगढ़ स्थित रिश्तेदारी में जा रहा था। जैसे ही दोनों कोठिलवा गांव के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मोहित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुनार भेजा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। मृतक के पिता नन्हेलाल ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मोहित तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। पिता वाहन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

जज के पिता की हत्या में तीसरा आरोपित आसिफ घटना के एक माह बाद गिरफ्तार

मुरादाबाद। मुरादाबाद महानगर के थाना नागफनी क्षेत्र में बीते 27 फरवरी को सरेराह स्कूटी सवार अलवीना बेकर्स के संचालक व बुलंदशहर में जज आसमां सुल्ताना के पिता मोहम्मद असद (65) की हत्या के आरोप में बुधवार को तीसरे आरोपित थाना सिविल लाइन क्षेत्र के बिशनपुर भीमाठेर निवासी आसिफ पुत्र जरीफ को भी गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले घटना में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार करके पुलिस जेल भेज चुकी है। बुलंदशहर में एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आसमां सुल्ताना के पिता और मुरादाबाद की मशहूर अलवीना बेकरी के संचालक मोहम्मद असद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आसमा सुल्तान के पति भी बुलंदशहर में जज हैं। वारदात को उनके साले और नागफनी थाने के हिस्ट्रीशीटर डहरिया निवासी अपने बड़े भाई हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद जफर हुसैन पुत्र मुजफ्फर हुसैन ने बंगला गांव चौराहे पर अंजाम दिया था।

महिलाओं से अभद्रता करने पर हुई थी चंदन की हत्या, तीन आरोपित गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना रामगढ पुलिस टीम ने बुधवार को चन्दन हत्याकांड का खुलासा किया है। पुलिस ने तीन हत्यारोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। चंदन की हत्या का कारण उसका शराब पीकर गाली गलौज, मारपीट व महिलाओं से अभद्रता करना रहा। थाना रामगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत 31 मार्च की सुबह ईंट भट्टा उद्योग मिलिक सांती रोड पर एक युवक का शव पड़ा मिला था। जिसकी सूचना पुलिस को भट्टा मालिक बबलू चौहान ने दी थी। मृतक की शिनाख्त सैलई निवासी मृतक के पिता महेश ने अपने पुत्र चन्दन के रुप में की थी। पुलिस ने तेजवीर पुत्र उमेश, समीर पुत्र प्रेमचन्द्र व अन्य अज्ञात अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपितों की तलाश शुरू कर दी। थाना प्रभारी रामगढ़ संजीव कुमार दुबे ने बताया कि विवचेना के दौरान अभियुक्त ललित उर्फ सिन्टू उर्फ बीटा पुत्र राकेश निवासीगण सैलई थाना रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद का नाम हत्या की घटना में प्रकाश में आया।

इज्जतनगर में रेलवे कर्मचारियों ने मनाया ब्लैक-डे, चार लेबर कोड वापस लेने की मांग

प्रभात समय संवाददाता

बरेली। चार लेबर कोड के विरोध में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर बुधवार को इज्जतनगर मंडल, कारखाना मंडल और मंडल की सभी शाखाओं में ब्लैक-डे मनाया गया। रेलवे कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थलों पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और सरकार की श्रम नीतियों के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया।

एन.ई. रेलवे मेन्स कांग्रेस इज्जतनगर मंडल के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में हजारों कर्मचारियों ने भाग लिया। कर्मचारियों ने चारों लेबर कोड को मजदूर विरोधी बताते हुए इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। विरोध के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नए श्रम कानूनों से कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, वेतन व्यवस्था और कार्य अवधि पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

इज्जतनगर कारखाना परिसर समेत विभिन्न कार्यस्थलों पर आयोजित सभाओं में वक्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। उनका कहना था कि श्रमिक संगठनों से बिना समुचित विचार-विमर्श किए इन कानूनों को लागू करना लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन कानूनों को वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मंडल मंत्री रजनीश तिवारी ने कहा कि कर्मचारी वर्ग अपने अधिकारों को लेकर एकजुट है और किसी भी कीमत पर श्रमिक विरोधी नीतियों को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से चारों लेबर कोड को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की।

प्रयागराज को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने में योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक : गणेश केसरवानी

❐ वित्तीय वर्ष 2026-27 को लेकर महापौर गणेश केसरवानी की रणनीतिक बैठक, विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज को आधुनिक, स्वच्छ और सुव्यवस्थित शहर बनाने के लिए योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है। उक्त बातें बुधवार को नगर निगम के वित्तीय वर्ष 2026-27 को लेकर रणनीतिक बैठक में प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने कही।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी-अपनी प्राथमिकताओं को चिन्हित कर ठोस और व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार करें, जिससे विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके।

इस दौरान शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था, सीवर एवं नाली निर्माण, सड़कों के सुदृढ़ीकरण, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, कर संग्रह प्रणाली में सुधार और स्वच्छता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन मंथन किया गया। महापौर ने निर्देश दिए कि जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास सुनिश्चित किया जाए। महापौर गणेश केसरवानी ने कहा, ह्लनगर निगम का लक्ष्य है कि हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं मिलें और प्रयागराज को देश के अग्रणी स्मार्ट शहरों में शामिल किया जाए। इसके लिए पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता हमारी प्राथमिकता है।ङ्क उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। साथ ही विकास कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नगर निगम के आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना को लेकर महापौर गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के समग्र विकास, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई।

चौबीस घंटे के भीतर ही तेंदुए ने दूसरी बच्ची को बनाया निशाना

प्रभात समय संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद जनपद के थाना कांठ क्षेत्र गांव मिश्रीपुर में चौबीस घंटे के भीतर ही तेंदुए ने घर के अंदर घुसकर चारपाई पर लेटी चौथी क्लास में पढ़ रही आठ साल की छात्रा को हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। तेंदुआ उसे खींचकर ले जा रहा था कि भाई के शोर मचाने पर परिजन लाठी-डंडे लेकर दौड़े तो तेंदुआ उसे छोड़कर खेतों में भाग गया। हमले में गंभीर घायल हुई छात्रा को इलाज के लिए सीएचसी लाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

कांठ क्षेत्र के गांव मिश्रीपुर निवासी अवनेश कुमार का घर गांव के अंतिम छोर पर खेतों से सटा हुआ है। उसके घर की बाउंड्री और गेट भी नहीं है। बुधवार शाम करीब चार बजे उसकी कक्षा चार में पढ़ने वाली आठ साल की सबसे छोटी बेटी दीपांशी घर के आंगन में ही चारपाई पर लेटी हुई थी, पास में ही उसका बड़ा भाई विशाल भी बैठा था।

तभी अचानक खेतों की तरफ से आए तेंदुए ने दीपांशी पर हमला कर दिया और वह उसे जबड़े में दबाकर खींचते हुए ले जाने लगा। वह उसे चार-पांच मीटर तक ही ले जा पाया था कि विशाल के शोर मचाने पर मां बबीता देवी, पिता अवनेश शोर मचाते हुए लाठी-डंडे लेकर दौड़े तो तेंदुआ उसे छोड़कर बराबर के गन्ने के खेत में भाग गया।

इधर तेंदुए के हमले से दीपांशी गंभीर रूप से घायल हो गई।

शोर सुनकर तमाम ग्रामीण भी एकत्र हो गए। उन्होंने लाठी-डंडे लेकर तेंदुए की काफी तलाश की, मगर वह दूर तक फैले गन्ने के खेतों में ओझल हो गया। सूचना मिलने पर पीआरवी पुलिस भी आ गई।

आनन-फानन में परिजन और ग्रामीण गंभीर घायल छात्रा को इलाज के लिए कांठ सीएचसी लेकर आए। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।बता दें कि 31 मार्च की देर शाम भी तेंदुए ने क्षेत्र के गांव महदूद कलमी निवासी अकरम के घर में घुसकर उसकी दो साल की मासूम बेटी सिदरा पर हमला कर उसे गंभीर घायल कर दिया था।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 24 घंटे में तेंदुए के द्वारा दो घटनाओं को अंजाम दिया गया। जिसको लेकर वन विभाग और थाना पुलिस टीम सक्रिय हो गई है। गुरुवार को दोनों घटना स्थलों के पास तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया जाएगा।

दुष्कर्म के अभियुक्त को आजीवन कारावास, 75 हजार रुपये का अर्थदंड

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे ह्लऑपरेशन कन्विक्शनङ्क अभियान के तहत जौनपुर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। दुष्कर्म एवं पाक्सो एक्ट से जुड़े मामले में दीवानी न्यायालय द्वारा अभियुक्त को कड़ी सजा सुनाई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारीऔर रमेश चंद पाल ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश षष्ठम/विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट, जौनपुर की अदालत ने बुधवार को पाक्सो एक्ट से सम्बंधित मामले में अभियुक्त विकास वर्मा पुत्र कृष्णकुमार वर्मा निवासी देनुआ, थाना सरपतहां को दोषी करार दिया। न्यायालय ने अभियुक्त को उक्त धाराओं में दोषसिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 75 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में अभियुक्त को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

सिधौली में मिशन शक्ति के तहत महिलाओं -बालिकाओं को किया गया जागरूक

प्रभात समय संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर के सिधौली कस्बे में मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस टीम ने मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्य बताते हुए महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए विभिन्न कानूनों की जानकारी दी। साथ ही सरकार द्वारा संचालित योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया गया। गोष्ठी में महिलाओं को 1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 102 व 108 (एम्बुलेंस सेवा), 181 (महिला हेल्पलाइन) और 1930 (साइबर हेल्पलाइन) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई। इसके अलावा कन्या सुमंगला योजना, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, राष्ट्रीय पोषण मिशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना जैसी सरकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी देकर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में महिलाओं और बालिकाओं से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें। सिधौली में मिशन शक्ति प्रभारी आस्था शर्मा ने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं को सजग व सुरक्षित रहने के लिए इस तरह की जागरूकता के कार्यक्रम के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ

जनप्रतिनिधियों व डीएम ने दिखाई हरी झंडी

❐ जनप्रतिनिधियों व डीएम ने दिखाई हरी झंडी

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। एक से 15 अप्रैल तक चलने वाले प्रथम चरण के स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में भव्य कार्यक्रम के साथ हुआ। जिसका उद्घाटन राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सोहनलाल श्रीमाली, नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्या, छानबे विधायक रिंकी कोल एवं जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

इस दौरान विगत सत्र में सर्वाधिक नामांकन करने वाले 10 विद्यालयों तथा निपुण अभियान के तहत चयनित 375 विद्यालयों में से 100 प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया। इसके बाद जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने कलेक्ट्रेट से छात्र-छात्राओं की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो बीएसए कार्यालय पर समाप्त हुई।

मुख्य अतिथि सोहनलाल श्रीमाली ने कहा कि स्कूल खुलने से बच्चों में उत्साह का संचार होता है और शिक्षक भी पूरे मनोयोग से शिक्षण कार्य में जुटते हैं। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर उन्हें आगे बढ़ाने की अपील की। नगर विधायक रत्नाकर मिश्र ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर बच्चा स्कूल जाए और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर देश-प्रदेश का नाम रोशन करे।

मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि आज विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति और शिक्षा का स्तर बेहतर हुआ है। वहीं मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्या ने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यही अभियान का उद्देश्य है। छानबे विधायक रिंकी कोल ने बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी अजय कुमार सिंह, बीएसए अनिल वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी वाणी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रभात समय

खेल/बिजनेस

7

लखनऊ, गुरुवार, 02 अप्रैल 2026

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हराया

एजेंसी

वेलिंग्टन। कप्तान अमेलिया केर (नाबाद 179) की शतकीय पारी की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बुधवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को दो गेंदें शेष रहते दो विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली हैं।

347 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड शुरुआत अच्छी नहीं हुई उसने 21 के स्कोर पर सुजी बेट्स (आठ) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी अमेलिया केर ने जॉर्जिया प्लिमर के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 52 रन जोड़े। 16वें ओवर में कायला रेनेके ने जॉर्जिया प्लिमर (23) को आउट कर साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने मैडी ग्रीन (13) और ब्रूक हेलिडे (14) के विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली। ऐसे संकट के समय इसाबेला गेज ने अमेलिया केर के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 120 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान अमेलिया केर ने अपना शतक पूरा किया। वहीं इसाबेला ने अर्धशतक बनाया।

38वें ओवर में एम क्लास ने इसाबेला गेज को आउट कर साझेदारी का अंत किया। इसाबेला गेज ने 48 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए 68 रनों की पारी खेली। इजी शार्प (11), जेस केर (14) और रोजमेरी मेयर (दो) रन बनाकर आउट हुई। न्यूजीलैंड ने 49.2 ओवरों में आठ विकेट पर 350 रन बनाकर मुकाबला दो विकेट से अपने नाम कर लिया।

अमेलिया केर ने 139 गेंदों में 23 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए नाबाद 179 रनों की मैच विजयी पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अयाबोंगा खाका ने तीन विकेट लिये। एम क्लास और कायला रेनेके को दो-दो विकेट मिले। सुने लूस ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने निर्धारित 50 आवरों में छह विकेट पर 346 रनों का स्कोर बनाया। तेजमिन ब्रिट्स (नौ) का विकेट जल्द गिरने के बाद कप्तान लॉरा वुलफार्ट और अन्नेका बोश की जोड़ी ने पारी को संभाला तथा दूसरे विकेट लिए 132 रन जोड़ कर बड़े स्कोर की नींव रखी। 28वें ओवर में ब्री इलिंग ने लॉरा वुलफार्ट को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। वुलफार्ट ने 74 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए 69 रन बनाये। 37वें ओवर में केली नाइट ने अन्नेका बोश को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। अन्नेका बोश ने 90 गेंद में 12 चौके लगाते हुए 91 रनों की पारी खेली। सुने लूस (40), सिनालो जाफ्टा (37) और नडीन डी क्लर्क (18) रन बनाकर आउट हुई। क्लोई ट्राइऑन ने 25 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 52 रनों पारी खेल कर न्यूजीलैंड़ के सामने 346 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

दक्षिण अफ्रीका के लिए ब्री इलिंग ने तीन विकेट लिये। केली नाइट को दो विकेट मिले। जेस केर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

विश्वनाथ सुरेश और सचिन एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में

एजेंसी

उलानबटार (मंगोलिया)। भारतीय मुक्केबाज विश्वनाथ सुरेश ने (50 किग्रा) भार वर्ग और सचिन 60 किग्रा भार वर्ग के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए बुधवार को एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

आज यहां हुए मुकाबले में विश्वनाथ सुरेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए किर्गिस्तान के बेकज़ात एर्गेशोव पर 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल की। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अब उनका मुकाबला कजाकिस्तान के संज़ार ताशकेनबे से होगा, जो इस वर्ग के मौजूदा विश्व चैंपियन हैं।

इस बीच, सचिन ने मंगोलिया के बुयांदलाई बायारखू पर 4-1 के विभाजित निर्णय से जीत दर्ज की और अब अपने क्वार्टर-फ़ाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के चेंग-वेई ली का सामना करेंगे।

महिला वर्ग में भारत की प्रिया (महिलाओं का 60किग्रा), प्रीति पंवार (महिलाओं का 54किग्रा) और दीपक (पुरुषों का 70किग्रा) ने भी अपने-अपने पहले दौर के मुकाबले जीते, जबकि जादुमणि सिंह (पुरुषों का 55किग्रा) टूर्नामेंट की शुरुआत में ही अपना मैच हार गए थे।

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75किग्रा) और पूर्व विश्व चैंपियन निखत जरीन (51किग्रा) को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही अपने-अपने शुरुआती दौर में 'बाय' (सीधे अगले दौर में प्रवेश) दे दिया गया था।

आदित्य प्रताप सिंह गुरुवार को पुरुषों के 65किग्रा वर्ग में सऊदी अरब के मूसा अलहवसाव का सामना करेंगे।

मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और जैस्मीन लंबोरिया, साथ ही ओलंपियन पूजा रानी भी भारत की टीम का हिस्सा हैं और वे बाद में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ केकेआर के स्पिनरों को दिखाना होगा दम

एजेंसी

कोलकाता। अपने पहले मैच में हार का सामना करने वाली कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के गुरुवार को यहां होने वाले मैच में अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेंगी।

इन दोनों टीम की बल्लेबाजी काफी मजबूत है और ऐसे में गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन निर्णायक साबित हो सकता है। केकेआर की टीम अपने स्पिनरों की फॉर्म में वापसी को लेकर उत्सुक होगा जबकि सनराइजर्स को भी अपने गेंदबाजी विभाग में काफी सुधार करना होगा।

यह मुकाबला तीन बार के चैंपियन केकेआर के लिए घरेलू मैदान पर होने वाले महत्वपूर्ण दौर की शुरुआत भी है, जिसे आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए यहां सात दिन में तीन मैच और फिर 19 अप्रैल को एक और मैच खेलना है। विधानसभा चुनाव के कारण कोलकाता में लगभग एक महीने तक कोई मैच नहीं खेला जाएगा। केकेआर को इसके बाद चार मैच दूसरी टीमों के घरेलू मैदान पर खेलने हैं। उसका अपने घरेलू मैदान पर अगला मैच 16 मई को होगा और ऐसे में उसकी टीम इस चरण में लय हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

ईडन गार्डन्स केकेआर का गढ़ रहा है, जिसने 2008 से यहां खेले गए 95 मैचों में से 54 मैच जीते हैं। कुछ प्रमुख गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। हर्षित राणा और आकाश दीप बाहर हो चुके हैं जबकि मथीशा पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलना बाकी है। इसके अलावा 25.20 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन फिलहाल केवल बल्लेबाज के रूप में उपलब्ध हैं। केकेआर के गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरी मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले मैच में स्पष्ट तौर पर नजर आई जहां उसकी टीम 220 रन का बचाव नहीं कर सकी थी।

रोहित शर्मा और ऱयान रिकेल्टन ने केवल 72 गेंद पर 148 रन की साझेदारी की। इस मैच में केकेआर के मुख्य स्पिनरों सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती को संघर्ष करना पड़ा था जो उनकी टीम के लिए चिंता का विषय होगा।

जुलाई में तीन टी20 मैचों के लिए ज़िम्बाब्वे का दौरा करेगा भारत

एजेंसी

हरारे। जुलाई में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए ज़िम्बाब्वे, भारत की मेबानी करेगा, जिसकी घोषणा बुधवार को ज़िम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) ने की।

यह दौरा जुलाई 2024 के बाद भारत का पहला ज़िम्बाब्वे दौरा होगा, जब उन्होंने पांच टी20 मैच वहां खेले थे। यह घोषणा ज़िम्बाब्वे के भारत दौरे के घोषणा के बाद आई है, जहां वे जनवरी 2027 में तीन वनडे खेलेंगे। यह 2002 के बाद भारत में उनकी पहली द्विपक्षीय सीरीज होगी।

भारत और ज़िम्बाब्वे की हालिया भिड़ंत टी20 विश्व कप के सुपर 8 चरण में हुई थी, जहां भारत ने 72 रन से जीत दर्ज की थी।

सीरीज का कार्यक्रम- पहला टी20 - 23 जुलाई, दूसरा टी20 - 25 जुलाई, तीसरा टी20 - 26 जुलाई, सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में स्थानीय समयानुसार दोपहर 1 बजे से खेले जायेंगे।

जेडसी के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर मकोनी ने कहा कि भारत के ख़िलाफ सीरीज, ज़िम्बाब्वे के खिलाड़ियों और फ़ैंस दोनों के लिए बड़ा मौक़ा है। उन्होंने कहा, ''भारत के ख़िलाफ मैच हमेशा काफ़ी उत्साह पैदा करते हैं और यह हमारे खिलाड़ियों के लिए विश्व चैंपियन टीम के ख़िलाफ अपने घरेलू मैदान पर ख़ुद को परखने का शानदार अवसर है।आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में हमारे अच्छे प्रदर्शन के बाद यह सीरी हमें आगे बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मजबूत टीम बनने का मौक़ा देती है।''

ज़िम्बाब्वे का दो दशक बाद भारत दौरा भी जेडसी के लिए ख़ास है। मकोनी ने कहा, ''दो दशक से अधिक समय बाद भारत में द्विपक्षीय वनडे सीरीज़ खेलने जाना हमारे लिए एक ऐतिहासिक पल है। भारत विश्व क्रिकेट के प्रमुख देशों में से एक है और यह दौरा हमारे खिलाड़ियों के लिए सम्मान और सीखने का बड़ा अवसर है। हम प्रतिस्पर्धी और उच्च स्तरीय क्रिकेट की उम्मीद कर रहे हैं और हमें विश्वास है कि यह सीरीज दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को और मजबूत करेगी और हमारी टीम को अमूल्य अनुभव देगी।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,150 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,37,060 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी आज तेजी आई है, जिसकी वजह से ये चमकीली धातु आज शुरुआती कारोबार के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,50,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में तेजी नजर आ रही है। सिंगापुर गोल्ड एक्सचेंज में आज हाजिर सोना 4,652.31 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं लंदन सिल्वर मार्केट में हाजिर चांदी की कीमत 74.64 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,670 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,49,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,37,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जीएसटी राजस्व संग्रह मार्च में 8.8 फीसदी बढ़कर दो लाख करोड़ रुपये के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में लगातार मजबूती देखने को मिल रही है। मार्च में जीएसटी राजस्व संग्रह 8.8 फीसदी बढ़कर दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जबकि पिछले साल मार्च में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1.83 लाख करोड़ रुपये था। जीएसटी महानिदेशालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि मार्च में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह में यह वृद्धि घरेलू बिक्री एवं आयात से कर संग्रह बढ़ने के कारण हुई। मार्च में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह बढ़कर 2,00,064 करोड़ रुपये हो गया, जो मार्च 2025 के 1,83,845 करोड़ रुपये के मुकाबले 8.8 फीसदी अधिक है। मार्च महीने में घरेलू राजस्व 5.9 फीसदी बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जबकि आयात से प्राप्त राजस्व 17.8 फीसदी बढ़कर 53,861 करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के मुताबिक मार्च के दौरान 'रिफंड' (प्रतिदाय) जारी करने की राशि 13.8 फीसदी बढ़कर 22,074 करोड़ रुपये हो गई। 'रिफंड' समायोजित करने के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 8.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है।इसके अलावा समूचे वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-मार्च) में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 8.3 फीसदी बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। 'रिफंड' समायोजित करने के बाद शुद्ध राजस्व संग्रह 7.1 फीसदी बढ़कर 19.34 लाख करोड़ रुपये रहा है।

शेयर बाजार में तेजड़ियों की वापसी, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

❐ बाजार की मजबूती के कारण निवेशकों ने एक ही दिन में कमाए 9.82 लाख करोड़

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट का जल्दी ही समाधान होने की उम्मीद की वजह से घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार वापसी की। इसके पहले के दो लगातार कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हुआ था। शेयर बाजार में आज दिन के पहले सत्र के कारोबार में जोरदार तेजी जरूर आई, लेकिन दिन के दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार की बढ़त में कमी भी आ गई। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक डेढ़ प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे।

आज के कारोबार की शुरुआत दो प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की मजबूती और बढ़ गई। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद से ही बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में छिटपुट बिकवाली शुरू हो गई, जिससे बाजार की चाल में भी उतार चढ़ाव होने लगा। दोपहर एक बजे के बाद बाजार में बिकवाली का दबाव ज्यादा बढ़ गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.65 प्रतिशत और निफ्टी 1.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल सेक्टर के अलावा सभी सेक्टोरल इंडेक्स में लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण ज्यादातर इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक खरीदारी होती रही, जिसके कारण डिफेंस इंडेक्स पांच प्रतिशत से भी अधिक की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह मीडिया, पीएसयू बैंक और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी तीन प्रतिशत से अधिक की मजबूती हासिल करने में सफल रहे। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, आईटी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी हरे निशान में बंद हुए।

दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली होने की वजह से बीएसई का हेल्थ केयर इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 2.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.40 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब दस लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 422.23 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 412.41 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 9.82 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,437 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,828 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 508 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 101 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 3,006 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,778 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 228 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 1,814.88 अंक की मजबूती के साथ 73,762.43 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से यह सूचकांक थोड़ी देर में ही 2,017.03 अंक की मजबूती के साथ 73,964.58 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह सेंसेक्स की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। दोपहर एक बजे के बाद बिकवाली का दबाव अचानक बढ़ गया, जिसके कारण शाम तीन बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 992.90 अंक लुढ़क कर 72,971.68 अंक के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1,186.77 अंक की तेजी के साथ 73,134.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 567.60 अंक उछल कर 22,899 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक थोड़ी देर में ही 609.90 अंक की तेजी के साथ 22,941.30 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे निफ्टी की चाल भी सुस्त पड़ने लगी। दिन के दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली और तेज हो गई, जिसके कारण यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 322.70 अंक टूट कर 22,618.60 अंक के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 348 अंक की मजबूती के साथ 22,679.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड सात प्रतिशत, इंटरग्लोब एविएशन 6.02 प्रतिशत, अदानी पोर्ट्स 5.55 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 4.76 प्रतिशत और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 4.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 3.61 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 2.99 प्रतिशत, सिप्ला 2.31 प्रतिशत, सन फार्मास्यूटिकल्स 1.63 प्रतिशत और एनटीपीसी 1.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

आईसीएआर ने अन्नदाताओं को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई : सीएम

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने देश के अन्नदाताओं को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस संस्थान ने खेतों को प्रयोगशालाओं से जोड़ते हुए हरित क्रांति से लेकर आधुनिक तकनीकों तक भारत की खेती को नई दिशा दी है और खाद्य सुरक्षा व आत्मनिर्भरता को मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिसर में आयोजित 122वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने इस अवसर पर देश के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी विशेषज्ञों को नमन करते हुए संस्थान को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'खाद्यान्न, पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए उन्नत फसल किस्में' और 'प्रिसिशन फ्लोरिकल्चर व लैंडस्केप डिजाइन' पर आधारित पुस्तकों का विमोचन भी किया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सचिव एवं महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संस्थान में लगी प्रदर्शनी का दौरा किया। उन्होंने नई कृषि तकनीकों, शोध आधारित नवाचार और आधुनिक खेती के मॉडलों को देखा, वैज्ञानिकों से बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताते हुए अधिक वृक्षारोपण, वर्टिकल गार्डनिंग, जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन करने पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों, संस्थानों और समुदायों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। साथ ही पीपल, नीम, बरगद और आम जैसे देशी वृक्षों को प्राथमिकता देने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने पहली बार रिज क्षेत्र के लगभग 4200 हेक्टेयर को अधिसूचित कर हरित क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में अहम कदम उठाया है और आईएआरआई से मिट्टी की उर्वरता, शहरी हरियाली एवं वैज्ञानिक पौधरोपण के लिए सहयोग मांगा है। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों से जल स्तर सुधार, कृषि विकास और शहरी खेती को बढ़ावा देने में योगदान देने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार किसानों, कृषि अनुसंधान और तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी इस दिशा में निरंतर कार्य करती रहेगी ताकि देश के अन्नदाताओं को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि दिल्ली के पारंपरिक जल स्रोत जैसे पहले जिन जोहड़ और तालाबों के रूप में जाने जाते थे और आज 'वॉटर बॉडीज' कहलाते हैं उनका संरक्षण और पुनर्जीवन बेहद जरूरी है। इससे दिल्ली के जल स्तर और पानी की गुणवत्ता में सुधार होगा। पिछले कुछ वर्षों में रासायनिक उर्वरकों के अधिक इस्तेमाल से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर असर पड़ा है, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में किसान तेजी से जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। दिल्ली के किसान भी ऑर्गेनिक खेती अपना रहे हैं, जो एक अच्छा संकेत है।

सिद्धगंगा मठ की सेवा देश के विकास के लिए प्रेरणा: मुर्मू

एजेंसी

तुमकुरु। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सिद्धगंगा मठ ने देश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और गरीब एवं अनाथ बच्चों को शिक्षा व आश्रय देकर मानवीय मूल्यों को मजबूत किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार क़ो कर्नाटक के तुमकुरु स्थित सिद्धगंगा मठ के वस्तु प्रदर्शनी मैदान में आयोजित श्री श्री शिवकुमार स्वामीजी की 119वीं जयंती समारोह क़ो सम्बोधित कर रही थींद्य उन्होंने कहा कि मठ की सेवा परंपरा पूरे देश के लिए आदर्श है। सिद्धगंगा मठ आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है। दासोह और शिक्षा के माध्यम से मठ ने गरीब बच्चों के जीवन में उजाला लाया है। 'दया ही धर्म का मूल है' इस सिद्धांत को मठ ने वास्तविक रूप से अपनाया है।

उन्होंने कहा कि वीरशैव-लिंगायत मठों में सिद्धगंगा मठ का विशेष स्थान है और यह निरंतर सेवा कार्यों के कारण अग्रणी बना हुआ है। इस अवसर पर सिद्धलिंग स्वामीजी ने कहा कि शिवकुमार स्वामीजी का जीवन त्याग और सेवा का प्रतीक था। गरीब और बालिकाओं को शिक्षा देना ही उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य था। उनकी उपलब्धियां किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। इस मौके पर कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गेहलोत ने कहा कि मानव कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले शिवकुमार स्वामीजी की सेवा अद्वितीय है। उन्होंने सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत को अपने जीवन में उतारा।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि शिवकुमार स्वामीजी अनाथ बच्चों के लिए पिता समान थे और मानवता के प्रतीक थे। वे मनुष्य से महादेव बने। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि सिद्धगंगा मठ केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि शिक्षा और सामाजिक क्रांति का केंद्र है। त्रिविध दासोह के माध्यम से मठ को विश्व प्रसिद्धि मिली है। कार्यक्रम के दौरान मठ की ओर से राष्ट्रपति को बसवन्ना की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार के कई मंत्री एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिल्ली के महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, जांच जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के सिविक सेंटर स्थित महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और सिविक सेंटर परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया। कई घंटों तक चले इस अभियान के दौरान कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या गतिविधि सामने नहीं आई। आगे की जांच जारी है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धमकी भरा ई-मेल मिलने के तुरंत बाद कमला मार्केट थाना पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड के साथ मिलकर सिविक सेंटर में सघन तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान परिसर के हर कोने को बारीकी से खंगाला गया। पुलिस टीम ने पार्किंग एरिया, बेसमेंट, मेयर कार्यालय सहित अन्य सभी दफ्तरों में क्रमवार जांच की।

सुरक्षा एजेंसियों ने किसी भी संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए पूरी प्रक्रिया को बेहद सावधानी और व्यवस्थित तरीके से अंजाम दिया। कई घंटों तक चली इस जांच के दौरान कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या गतिविधि सामने नहीं आई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार शुरुआती जांच में यह धमकी अफवाह या शरारती तत्व की करतूत प्रतीत हो रही है। हालांकि, ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए साइबर स्तर पर जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद सिविक सेंटर की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों को विशेष रूप से ब्रीफ किया गया है और सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्हें परिसर में आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सख्ती से जांच करने, बिना सत्यापन के प्रवेश न देने और सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार निगरानी रखने को कहा गया है।

इसके अलावा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को देने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा चुके हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। फिलहाल सिविक सेंटर में कामकाज सामान्य रूप से जारी है।उधर, दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने इस धमकी को लेकर चिंता जतायी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चार इंजन की सरकार होने के बाद भी शहर के प्रथम नागरिक भी सुरक्षित नहीं। नारंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि चार इंजन सरकार में दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था फ़ेल हो गई है, दिल्ली महापौर तक सुरक्षित नहीं।

उल्लेखनीय है कि इसके पहले हाल ही में दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। यह धमकी भरा मेल विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही के बीच आया था। धमकी भरा मेल मिलते ही दिल्ली पुलिस और डॉग स्क्वाड की टीम ने विधानसभा परिसर की गहन जांच की थी, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

पुडुचेरी चुनाव 2026 : छोटा राज्य, लेकिन सियासी संकेत बड़े

❐ मुख्यमंत्री रंगासामी राज्य की राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा

एजेंसी

पुडुचेरी। देश के पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव के बीच केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी भले ही चर्चा में कम हो, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से यह चुनाव बेहद अहम माना जा रहा है। राज्य की 30 सदस्यीय विधानसभा के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है, जबकि वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 15 जून 2026 को समाप्त हो रहा है। राज्य में 9.44 लाख से अधिक मतदाता हैं, जिनमें लगभग पांच लाख महिला मतदाता शामिल हैं।

पुडुचेरी का इतिहास इसे देश के अन्य राज्यों से अलग बनाता है। वर्ष 2006 से पहले इसे पांडिचेरी के नाम से जाना जाता था। लगभग 138 वर्षों तक यह फ्रांसीसी उपनिवेश रहा और 1 नवंबर 1954 को भारत में शामिल हुआ। 16 अगस्त 1962 को इसे आधिकारिक रूप से केंद्रशासित प्रदेश का दर्ज़ा मिला। इसकी एक अनोखी विशेषता यह भी है कि इसके चार जिले- पुडुचेरी और कराईकल (तमिलनाडु), यानम (आंध्र प्रदेश) और माहे (केरल) भौगोलिक रूप से अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित हैं। इसकी बिखरी हुई भौगोलिक संरचना प्रशासन और राजनीति दोनों को विशिष्ट बनाती है।

साल 2011 की जनगणना के अनुसार यहां की जनसंख्या लगभग 13.94 लाख है, जिसमें 68 प्रतिशत शहरी और 32 प्रतिशत ग्रामीण आबादी है। धार्मिक दृष्टि से हिंदू बहुसंख्यक (लगभग 87 प्रतिशत) हैं, जबकि मुस्लिम आबादी करीब 6 प्रतिशत है। हालांकि, यहां की राजनीति में जातीय या धार्मिक समीकरणों से ज्यादा स्थानीय नेतृत्व और गठबंधन अहम भूमिका निभाते हैं। पुडुचेरी की राजनीतिक परिदृश्य की बात करें, तो वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने यहां की एक मात्र सीट जीतकर अपनी मौजूदगी मजबूत दिखाई, जहां वी. वैथिलिंगम सांसद बने। वहीं भारतीय जनता पार्टी के ए. नमस्सिवयम दूसरे स्थान पर रहे। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 30 में से 16 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। इस गठबंधन के नेता एन. रंगासामी चौथी बार मुख्यमंत्री बने।

वास्तव में एन. रंगासामी पुडुचेरी की राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा हैं। उन्होंने वर्ष 2011 में कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई और तब से स्थिर नेतृत्व का विकल्प बने हुए हैं। उनका मुख्य फोकस विकास और प्रशासन पर रहा है, साथ ही वे पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्ज़ा दिलाने की मांग भी लगातार उठाते रहे हैं। वहीं विपक्ष की ओर से वी. नारायणसामी के नेतृत्व में सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) चुनौती पेश कर रहा है, जिसमें कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम, सीपीआई, सीपीआई (एम)और वीसीके जैसे दल शामिल हैं।

राजग में एआईएनआरसी, भाजपा, अन्नाद्रमुक, पीएमके और एलजेके शामिल हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन अपेक्षाकृत मजबूत और संगठित नजर आता है। वहीं एसपीए गठबंधन में कांग्रेस और द्रमुक के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान देखने को मिली है, जिससे विपक्ष की स्थिति कमजोर पड़ सकती है।

इस चुनाव में विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था और पूर्ण राज्य का दर्ज़ा प्रमुख मुद्दे हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन विकास कार्यों और केंद्र सरकार के समर्थन के आधार पर वोट मांग रहा है, तो विपक्ष भ्रष्टाचार, प्रशासनिक कमजोरियों और अधूरे वादों को मुद्दा बना रहा है।

लॉस एंजिल्स में हुई फिल्म 'रामायण' की विशेष स्क्रीनिंग

एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो इसी साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में लॉस एंजिल्स में फिल्म की एक विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जहां दर्शकों को रणबीर के 'श्रीराम' अवतार की झलक दिखाई गई। इस मौके पर अभिनेता ने मीडिया से बातचीत में एक दिलचस्प खुलासा किया, जिसने फैंस को हैरान कर दिया।

रणबीर ने बताया कि जब निर्माता नमित मल्होत्रा ने उन्हें पहली बार 'श्रीराम' की भूमिका का प्रस्ताव दिया था, तो उन्होंने इसे ठुकरा दिया था। अभिनेता ने कहा, ''करीब चार साल पहले जब मुझे यह रोल ऑफर हुआ, तो मेरी पहली प्रतिक्रिया नहीं थी। मुझे लगा कि मैं इसके लिए योग्य नहीं हूं और इस किरदार के साथ न्याय नहीं कर पाऊंगा।'' हालांकि बाद में उन्होंने इस चुनौती को स्वीकार किया और पूरे समर्पण के साथ इस भूमिका के लिए तैयार हुए।

उन्होंने आगे कहा कि 'रामायण' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक सीख देने वाली कहानी है। रणबीर के मुताबिक, इस महाकाव्य से सहानुभूति, प्रेम और समानता जैसे मूल्यों को समझने का मौका मिलता है। निर्देशक नितेश तिवारी के विजन ने उन्हें इस किरदार को अपनाने के लिए प्रेरित किया। फिल्म में साई पल्लवी 'सीता', यश 'रावण', सनी देओल 'हनुमान' और रवि दुबे 'लक्ष्मण' के किरदार में नजर आएंगे। भव्य पैमाने पर बन रही यह फिल्म भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है, जिसे लेकर दर्शकों में भारी उत्साह है।

'क्वीन-2' के साथ वापसी को तैयार कंगना रनौत, अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी

एजेंसी

अभिनेत्री कंगना रनौत की चर्चित फिल्म 'क्वीन' अब अपने सीक्वल के साथ लौटने जा रही है। साल 2014 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन विकास बहल ने किया था, जिसमें कंगना के अभिनय को खूब सराहा गया और उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। फिल्म में राजकुमार राव मुख्य भूमिका में नजर आए थे, जबकि लीजा हेडन ने खास कैमियो किया था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के आखिर तक शुरू होने वाली है। फिल्म में रानी का किरदार पहले से ज्यादा सशक्त और आत्मनिर्भर नजर आएगा, जिसकी कहानी एक नए मोड़ के साथ आत्म-खोज की यात्रा को दर्शाएगी। जहां पहली फिल्म में रानी पेरिस और एम्स्टर्डम गई थी, वहीं इस बार कहानी भारत के अलग-अलग शहरों में आगे बढ़ेगी।

सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में भव्य सेट के साथ शुरू होगी, जिसमें उत्तर भारतीय शहर का माहौल तैयार किया जाएगा। मुंबई शेड्यूल पूरा होने के बाद टीम अन्य महानगरों में भी शूटिंग करेगी। फिल्म को करीब तीन महीने में पूरा करने की योजना है। वर्कफ्रंट की बात करें, तो कंगना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर भी चर्चा में हैं, जो मुंबई में हुए 26/11 मुंबई आतंकी हमला के दौरान कामा अस्पताल के कर्मचारियों की कहानी पर आधारित होगी।

फिल्म 'राजा शिवाजी' का फर्स्ट लुक टीज़र रिलीज

एजेंसी

मुंबई। जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी ने रितेश विलासराव देशमुख की निर्देशित- अभिनीत 'राजा शिवाजी' का फर्स्ट लुक टीज़र रिलीज कर दिया है। फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' के साथ थिएटर में मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद अब यह टीज़र डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी आ गया है, जिससे फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है।

यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की महान विरासत को बड़े स्तर पर पेश करती है और मराठी सिनेमा में एक पैन-इंडिया स्पेक्टेकल के रूप में सामने आ रही है। रितेश विलासराव देशमुख इस फिल्म में अभिनय करने के साथ-साथ निर्देशन भी कर रहे हैं। फिल्म में भव्यता के साथ एक

भावनात्मक और प्रेरणादायक कहानी दिखाई गई है, जो स्वराज्य के जन्म पर आधारित है।

टीज़र में एक बेटे की कहानी की झलक मिलती है, जिसने संकल्प लेकर इतिहास बदल दिया। इसमें जोश, भावना और वीरता का दमदार मिश्रण देखने को मिलता है।

फिल्म में संजय दत्त,अभिषेक बच्चन, विद्या बालन,महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, बोमन ईरानी, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते जिनिलीया देशमुख के साथ रितेश विलासराव देशमुख नजर आएंगे।

फिल्म का संगीत अजय-अतुल ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवन ने की है। भव्य एक्शन और शानदार तकनीक के साथ यह फिल्म एक बड़े सिनेमाई अनुभव का वादा करती है।

थिएटर में इसके टीज़र को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जहां दर्शकों ने तालियों और उत्साह के साथ इसे सराहा। अब डिजिटल रिलीज़ के बाद फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

जियो स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत और मुंबई फिल्म कंपनी के बैनर तले ज्योति देशपांडे और जिनिलीया देशमुख द्वारा निर्मित 'राजा शिवाजी' एक मई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में मराठी, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में रिलीज़ होगी।

'जिहादी एक प्रेम कथा' का अंतिम शेड्यूल पूरा

एजेंसी

मुंबई। बिहार की पृष्ठभूमि पर आधारित बहुप्रतीक्षित फिल्म ''जिहादी, एक प्रेम कथा'' का अंतिम शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। फिल्म की शूटिंग रोहतास के प्रसिद्ध करमचट डैम, पटना जंक्शन और गांधी मैदान सहित कई प्रमुख लोकेशनों पर की गई, जहां एक्शन सीक्वेंस और एक विशेष आइटम सॉन्ग की शूटिंग संपन्न हुई। फिल्म में कश्मीर फ़ेम अभिनेत्री अनारा गुप्ता पर फिल्माया गया विशेष गीत आकर्षण का केंद्र बताया जा रहा है।

फिल्म की निर्माता भार्गवी और निर्देशक संजीव कुमार हैं, जबकि सिनेमैटोग्राफी आर आर प्रिंस हैं।

भार्गवी ने बताया कि ह्लजिहादीः एक प्रेम कथाङ्क केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक पहलुओं को छूने वाली कहानी है, जिसमें प्रेम, संघर्ष

और समकालीन विषयों को जोड़ा गया है। खास बात यह है कि इस फिल्म में बिहार के अधिकतर कलाकारों को मौका दिया गया है, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच मिल रहा है।

फिल्म में मनु कृष्ण, अपर्णा मल्लिक, अवधेश मिश्रा, फूल सिंह, रूपा सिंह, ललित उपाध्याय, अर्चना सिंह, संजय उर्फ मुन्ना सिंह, राकेश कपूर, दमयंती बनर्जी, शिवांगी सिंह, ऐश्वर्या संस्कृति, विजय श्रीवास्तव और राहुल श्रीवास्तव प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी अभिनव पाराशर ने लिखी है, जबकि पटकथा एवं संवाद एस.के. चौहान और भार्गवी द्वारा तैयार किए गए हैं।

अवधेश मिश्रा ने बताया कि कि फिल्म ह्लजिहादीः एक प्रेम कथाङ्क एक अलग और प्रभावशाली विषय पर आधारित है, जिसमें समाज और भावनाओं से जुड़े कई पहलुओं को मजबूती से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगी और इसमें कलाकारों ने पूरे समर्पण के साथ काम किया है।

अवधेश मिश्रा ने कहा कि इस फिल्म की खास बात यह है कि इसमें बिहार के प्रतिभाशाली कलाकारों को प्राथमिकता दी गई है, जिससे क्षेत्रीय सिनेमा को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि फिल्म रिलीज होने पर सिनेमा घरों में जाकर इसे जरूर देखें, क्योंकि यह एक सार्थक और मनोरंजक फिल्म साबित होगी।

इस फिल्म के गीतकार विनय बिहारी, नवाब आरजू, जवाहर जी और राजपूत जी हैं। संगीत शिशिर पांडे ने तैयार किया है, जबकि गायकों की सूची में प्रियंका सिंह, शुभम कुमार, पामेला जैन, कौशिक जैन, इंदु सोनाली और जतिंदर सिंह जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।